सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 346 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 28 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर से फिर एक नक्सली गिरफ्तार, कोरबा में कोयला खदान में करता था मजदूरी

रायपुर। राजधानी रायपुर में फिर एक नक्सली पकड़ा गया है। एसटीए ने नक्सली रामा किचाम को भाठागांव इलाके से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी के पास से सोना और कैश भी जब्त हुआ है। आरोपी को एनआईए कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार रामा कोरबा स्थित कोयला खदान में मजदूरी करता था। एसटीए को रामा का इनपुट पिछले दिनों गिरफ्तार किए गए नक्सल दंपति से ही पूछताछ मिला था। इसका जग्गू और उसकी पत्नी कमला का राम के साथ कनेक्शन था। इनके बीच पैसे के लेनदेन की भी बात सामने आई है।

इसके पहले 24 सितंबर को रायपुर में चंगोराभाठा के एक घर से नक्सली पति-पत्नी गिरफ्तार हुए थे। इन अर्बन नक्सलियों ने इलाज के बहाने एक महीने पहले ही किराए पर घर लिया था। हालांकि आरोपी रायपुर के अलग-अलग इलाकों में लंबे वक्त से रह रहे थे। जानकारी के मुताबिक, युवक ने कई बड़े अफसर के घर ड्राइवर और गार्ड की नौकरी भी की है। फिलहाल युवक को पुलिस ने पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। वहीं महिला को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। बताया जा रहा है नक्सली रामा किचाम का इन्ही से संपर्क था।

रायपुर कलेक्ट्रेट में हादसा, छत गिरने से हड़कंप

रायपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित रूम नंबर 8 की छत अचानक भरभरा कर गिर गई। यह कक्ष आंग्ल अभिलेख कोष्ठ कक्ष के रूप में उपयोग होता था, जिसमें पुराने कर्मचारियों का महत्वपूर्ण रिकॉर्ड रखा गया था। हालांकि, हाल ही में इस कक्ष के स्टाफ को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया था।

मिली जानकारी के अनुसार, छत गिरने की घटना तड़के हुई जब स्टाफ की महिलाएं दोपहर के लंच के लिए यही आती थीं। भवन अंग्रेजों के जमाने का बना हुआ है और इसके कई अन्य कमरे जैसे रूम नंबर 3, 4, 5, 6, 7, 9, 10, 11 भी इसी तरह कमजोर स्थिति में हैं जहां कभी भी इसी प्रकार का हादसा हो सकता है। घटना के बाद मौके पर अधिकारी और स्टाफपहुंचे और मलबे को हटाने के साथ-साथ गिरा हुआ रिकॉर्ड भी सुरक्षित किया जा रहा है। प्रशासन ने इस घटना को लेकर चिंता जताई है और भवन की स्थिति का जल्द निरीक्षण कराने का आदेश दिया है ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

छत्तीसगढ़ में अब तक 1136.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 1136.6 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1559.8 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है। इसी प्रकार बेमेतरा जिले में सबसे कम 522.0 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

पुल से कूदकर युवक ने की खुदकुशी की कोशिश

जगदलपुर। नशे में धुत युवक ने इंद्रावती नदी के बड़े पुल से छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद एसडीआरएफके जवानों ने युवक को डूबने से बचाया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है, जिसमें नदी में कूदने वाले युवक की पहचान सोरगांव निवासी जदूराम बघेल के रूप में हुई है।

छत्तीसगढ़ के निकायों में खुलेंगे आदर्श सुविधा केंद्र प्रोजेक्ट के लिए केंद्र सरकार ने मंजूर किए 50 करोड़

पहले चरण में सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं में शुरू होगी सुविधा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भारत सरकार का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की विशेष पहल पर केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य के नगरीय निकायों में आदर्श सुविधा केंद्र खोलने के लिए 50 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। पहले चरण में सभी 14 नगर निगमों और सभी 55 नगर पालिकाओं में ये केंद्र प्रारंभ किए जाएंगे। ये सुविधा केंद्र नागरिकों को विभिन्न तरह के प्रमाण पत्र और लाइसेंस प्राप्त करने तथा पंजीयन व शिकायत निवारण जैसी सेवाओं के लिए एकीकृत केंद्र की तरह काम करेंगे। भारत सरकार ने नगरीय निकायों से जुड़ी सभी तरह की सेवाओं पर आधारित आदर्श सुविधा केन्द्र खोलेने के लिए म्यूनिसिपल शेयर्ड सर्विसेस सेंटर (Municipal Shared Services Centre) के अंतर्गत सिटीजन एक्सपिरियंस सेंटर (Citizen E&perience Centre) के लिए यह राशि मंजूर की है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नगरीय निकायों में आदर्श सुविधा केंद्र स्थापित किए जाने के राज्य सरकार के प्रस्ताव पर मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह पहल हमारी सुशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत हम प्रदेश के नागरिकों को पारदर्शी, समयबद्ध और सुगम सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध हैं। छत्तीसगढ़ के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएँ और जीवन स्तर प्राप्त हो, यह हमारी सरकार का लक्ष्य है। आदर्श सुविधा केंद्र इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो नगरीय प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुसार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सुशासन की सरकार नगरीय निकायों के नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सुनियोजित कार्ययोजना बनाकर कार्य कर रही है। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा राज्य शहरी विकास अभिकरण के माध्यम से केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा प्रदेश में सिटीजन एक्सपिरियंस सेंटर स्थापित करने के लिए म्यूनिसिपल शेयर्ड सर्विसेस सेंटर के अंतर्गत प्रस्ताव प्रेषित किया गया था। भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ के इस प्रस्ताव को स्वीकृति एवं अनुशंसा प्रदान करते हुए इसके लिए 50 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। ये सिटीजन एक्सपीरियंस सेंटर नगरीय निकायों से संबंधित सेवाओं (म्यूनिसिपल सर्विसेस) के लिए वन-स्टॉप हब के रूप में काम करेंगे।

श्री साव ने प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करने के लिए केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रदेश के नागरिकों को बधाई दी है।

एक ही जगह पर मिलेंगी तमाम सुविधाएं

उप मुख्यमंत्री साव ने बताया कि आदर्श सुविधा केंद्रों के माध्यम से ''वन स्टेट - वन पोर्टल'' सिंगल प्लेटफार्म की तर्ज पर नागरिकों को जन्म, मृत्यु, विवाह जैसे आवश्यक प्रमाण पत्र, व्यापार, वेंडिंग, विज्ञापन के लिए लाइसेंस सेवाएं, संपत्ति कर, जल/सीवरेज, ठोस अपशिष्ट सेवाएँ, नगर निगम संपत्ति बुकिंग के लिए पंजीकरण, शिकायत निवारण की सुविधा तथा डिजिटल समावेशन सेवाओं का लाभ सुलभ और समयबद्ध रूप से प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि ये केन्द्र नागरिक सेवाओं को सरल और मानकीकृत करने के साथ ही प्रशासनिक बाधाओं को भी दूर करेगी, जिससे लोगों और नगरीय निकायों के अधिकारियों के मध्य पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। इसके साथ ही यह पहल पूरे राज्य में समावेशिता को बढ़ावा देगी तथा इज ऑफलिविंग में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करेगी।

जानिए क्या है आदर्श सुविधा केन्द्र

आदर्श सुविधा केन्द्र नगरीय निकायों में जनसुविधाओं से संबंधित समस्त सेवाओं के लिए एकीकृत केन्द्र की तरह कार्य करेगी। इस केन्द्र के माध्यम से नगरीय निकायों में नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज व सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रदेश में संचालित अन्य नागरिक सुविधा पोर्टल जैसे निदान-1100, मोर संगवारी, संपत्ति कर तथा नगरीय प्रशासन से संबंधित अन्य सेवाओं व सुविधाओं को भी आदर्श सुविधा केन्द्र के साथ जोड़ा जाएगा।

कैसे मिलेगी नागरिकों को सुविधाएं

आदर्श सुविधा केन्द्र के माध्यम से सेवाएं प्राप्त करने के लिए अपनी इच्छित सेवाओं से संबंधित आवेदन सुविधा केन्द्र में जमा कराना होगी। प्राप्त आवेदन की प्रकृति व गुण-दोष के आधार पर निकाय द्वारा आदर्श सुविधा केन्द्र के माध्यम से निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन प्रणाली से जुड़ी होगी और इसकी मॉनिटरिंग राज्य शहरी विकास अभिकरण में स्थापित राज्य स्तरीय कमाण्ड एंड कण्ट्रोल सेंटर के माध्यम से की जाएगी।

तमिलनाडू में भगदड़ से 39 लोगों की मौत, टीवीके प्रमुख विजय की रैली में हादसा, सीएम साय ने जताया दुख

चेन्नई एजेंसी। तमिलनाडु के करूर कस्बे में शनिवार की देर शाम एक्टर विजय की रैली में भगदड़ मच गई। भगदड़ में 16 महिलाएं और 10 बच्चों सहित कुल 39 लोगों की मौत हो गई। वहीं 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस हादसे के बाद तमिल नाडू के सीएम स्टालिन ने जांच कमेटी बना दी है। वहीं छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने भी हादसे में मृत लोगों के प्रति संवेदना जताई है।

मिली जानकारी के अनुसार हादसा तमिलनाडू के करूर कस्बे में हुई। दरअसल तमिलनाडु में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख व एक्टर विजय पूरे राज्य में रैली कर रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को भी करूर कस्बे में भी विजय की रैली का आयोजन किया गया। रैली में भारी भीड़ उमड़ी और बेकाबू हो गई। इस दौरान मची भगदड़ में 39 लोगों की मौत हो गई है।

30 हजार की परमिशन और पहुंचे 60 हजार

पुलिस के मुताबिक रैली में 30 हजार लोगों की परमिशन दी गई थी। इस दौरान भारी मात्रा में पुलिस बल भी मौजूद रहा। रैली के लिए सुबह 11 बजे से ही लोग जुटने लगे थे। प्रशासन ने रैली में 30 हजार लोगों की परमिशन दी थी लेकिन 60 हजार से ज्यादा लोग यहां पहुंच गए। वहीं एक्टर विजय भी तय समय से 6 घंटे की देरी से पहुंचे।

करूर कस्बे में मचरी थी भगदड़, 50 से ज्यादा घायल

शाम 7.45 बजे के करीब कुछ लोग विजय की बस की तरफबढ़ने लगे, जिससे भगदड़ के हालात बन गए। धक्का-मुक्की में कई लोग बेहोश हो गए। कई लोगों को गर्मी और भीड़ की वजह से सांस लेने में दिक्कत होने लगी। भगदड़ में कई बच्चे परिवार से बिछड़ गए, कई भीड़ में दब गए, लोग उन्हें कुचलते चले गए। विजय के मंच के पास बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए न पुलिस मौजूद थी, न वॉलंटियर्स। नतीजतन भीड़ बेकाबू हो गई।

जांच आयोग का गठन

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने रात को ही हाईलेवल मीटिंग ली और देर रात को ही करूर पहुचें। स्टालिन ने हॉस्पिटल जाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी और घायलों से मुलाकात की है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस हादसे की जांच के लिए जस्टिस अरुणा जगदीसन की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया। स्टालिन ने मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की। वहीं, घायलों को 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। सीएम स्टालिन देर रात को ही करूर पहुचें और हालात का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री साय ने जताई संवेदना

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तमिलनाडु के करूर में राजनीतिक रैली के दौरान हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस हृदयविदारक घटना में जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मैं अपनी गहरी संवेदनाएँ प्रकट करता हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे और परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति दे। मुख्यमंत्री साय ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की है। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पूरे देश की संवेदनाएँ प्रभावित परिवारों के साथ हैं।

लगातार बारिश से बढ़ा गंगरेल बांध का जलस्तर महानदी किनारे गावों में सतर्क रहने की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। रविशंकर सागर बांध (गंगरेल) का जलभराव स्तर लगातार वर्षा के कारण तेजी से बढ़ रहा है। शुक्रवार रात 8 बजे की स्थिति में बांध का जलभराव 94.82 प्रतिशत दर्ज किया गया, जिसमें 17,356 क्यूसेक पानी की आवक रही। इस दौरान सिंचाई हेतु 3,700 क्यूसेक एवं महानदी नदी में 4,026 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

शनिवार सुबह 11 बजे तक बांध का जलभराव 94 प्रतिशत हो चुका था। बांध के कैचमेंट क्षेत्र में लगातार वर्षा के चलते लगभग 15,000 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज हुई है। मौसम की स्थिति को देखते हुए पानी की आवक 25,000 क्यूसेक तक पहुँचने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में जलस्तर नियंत्रित करने हेतु बांध से प्रति घंटे लगभग 4,000 क्यूसेक पानी महानदी नदी में छोड़े जाने की संभावना व्यक्त की गई थी।

महासमुंद जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता अजय खरे ने जानकारी दी कि महानदी नदी के किनारे बसे ग्रामवासियों को सतर्क किया जा रहा है। साथ ही, उच्च अधिकारियों को अग्रिम कार्यवाही हेतु सूचित कर दिया गया है, ताकि संभावित बाढ़ की स्थिति में किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने नदी किनारे बसे गांवों को सतर्क रहने की अपील की है।

झूठे केस में फंसाने की धमकी, बुजुर्ग से वसूले 15 लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई पुलिस ने बुजुर्ग रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर लाखों रुपये की वसूली करने वाली नौकरानी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपिया नौकरानी ने बुजुर्ग के वसूले पैसे से एक प्लॉट खरीदा और कुछ अपने बैंक खाते में रुपए जमा किए थे।

भिलाई 3 थाना क्षेत्र के बीएमवाई चरोदा के रहने वाले बुजुर्ग रेलवे कर्मचारी घर पर अकेले रहता था उन्होंने ने 2018 में घर के कामकाज और खाना बनाने के लिए एक नौकरानी को रखा था, जिसे 10 हजार रुपये महीना दे था। शुरुआत में महिला ठीकठाक काम करती थी, लेकिन कुछ साल बाद महिला ने काम में लापरवाही और झगड़ा करना शुरू कर दिया। और जब बुजुर्ग ने आपत्ति की तो नौकरानी महिला बुजुर्ग से विवाद करने लगी और दुष्कर्म और छेड़खानी के झूठे केस में फसाने की धमकी देने लगी। और बड़े अधिकारियों से अच्छे संबंध होने का हवाला देकर बुजुर्ग को डराती थी और इन धमकियों से डरकर पीड़ित ने पहले महिला को 3 लाख, 7 लाख और फिर 5 लाख रुपये के चेक के माध्यम से महिला को दिए। महिला ने 15 लाख वसूलने के बाद पीड़ित से 40 लाख की डिमांड रखी। बुजुर्ग इस डिमांड से परेशान होकर पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बुजुर्ग रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नौकरानी को गिरफ्तार कर लिया।

क्या हम सिर्फ भीड़ हैं?

श्रीकंचनपथ

देश की आबादी ज्यादा हो जाए तो वह भीड़ में तब्दील हो जाती है। भीड़ के लिए कोई भी सरकार ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। इसलिए भीड़ और भी ज्यादा भीड़ वाली हरकतें करने लगती है। वह कहीं भी जुट जाती है, कुछ भी कर डालती है। धर्म से लेकर नेता और सेलेब्रिटी तक के पास अपनी-अपनी भीड़ है। कभी भीड़ खुद-ब-खुद इकट्ठा हो जाती है तो कभी इसे इकट्ठा किया जाता है। इसके भी एक्सपर्ट होते हैं। भीड़ जुटाने का भी ठेका होता है। भीड़ जुटाने के ठेकेदारों की राजनीति में या यूं कहें कि सत्ता में बड़ी भागीदारी होती है। यह भीड़ कब क्या कर जाए, इसका कोई ओर-छोर नहीं है। भीड़ विरासत की इमारतों को जमींदोज़ कर सकती है। भीड़ पुलिस को पीट सकती है। छत्तीसगढ़ की एक शांत नगरी में भीड़ कलेक्टोरेट को नेस्तनाबूद कर देती है। एक छोटी सी घटना, एक छोटी सी खबर उसे पगलाए सांड में तब्दील कर सकती है। फिर वह जिधर मुंह करके खड़ी होती है, उसी तरफ सरपट दौड़ जाती है। उसके पैरों तले बच्चे और बूढ़े कुचल जाते हैं। भीड़ सबके ऊपर से भागती हुई निकल जाना चाहती है। गलती बस यहीं हो जाती है। भीड़ उन लोगों से अलग नहीं है जो कुचल कर या दब कर मर जाते हैं। कुंभ के मेले में, पहाड़ों पर होने वाली तीर्थ यात्राओं में भीड़ का प्रबंधन करने की दिक्कतें बार-बार रेखांकित होती हैं। पर बावजूद इसके भीड़ जुटाने की कोशिशें कम होने की बजाय बढ़ती चली जाती हैं। दक्षिण भारत में सिनेमा कलाकारों को कुछ ज्यादा ही मान मिला हुआ है। सिनेमा में भगवान या अच्छे इंसान का किरदार निभाने वाले वहां वाकई भगवान मान लिये जाते हैं। तमिलनाडु के करूर में जो भगदड़ मची, वह इसका जीता जागता प्रमाण है। कल यहां एक्टर विजय रैली करने वाले थे। विजय ने पिछले साल फरवरी में अपनी पार्टी बनाई है जो तमिलनाडु की तस्वीर बदलने का दावा करती है। विजय के प्रति लोगों की आस्था का यह आलम है कि 50 हजार लोग रैली के लिए इकट्ठा हो गए। विजय रैली को संबोधित करने के लिए 12 बजे आने वाले थे। पर भगवान के आते-आते शाम के साढ़े सात बज गए। जैसे ही उनकी 60 फीट लंबी बस 100 फीट चौड़ी सड़क में घुसी भीड़ तितर-बितर होने लगी। विजय का इंतजार करते करते पुलिस भी थक चुकी थी और ऊंघने लगी थी। वैसे भी पुलिस को केवल 10 हजार की भीड़ का अंदाजा था। सोने पर सुहागा ये हो गया कि एक 9 साल की बच्ची के गुम होने की खबर फैल गई। जैसे ही उसे ढूंढने की अपील हुई सभी लोग एक साथ उसे ढूंढने लग गए। इसी हड़पोंग में 100 से अधिक लोग कुचल गए। इनमें से 39 लोगों की मौत हो गई। कई घायल आईसीयू में हैं। क्या भीड़ से सत्ता बदल जाएगी? क्या भीड़ ही भगवान है?

संपादकीय

राहुल गांधी की गलत धारणा

भारत निर्वाचन आयोग ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वोटचोरी के आरोप को खारिज कर दिया। अपनी पोस्ट में आयोग ने लिखा, किसी भी वोट को ऑनलाइन किसी शख्स द्वारा हटाया नहीं जा सकता, जैसा कि गांधी ने गलत धारणा बना रखी है। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी ने आरोप लगाया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोट चोरों को संरक्षण दे रहे हैं और फर्जी मतदाताओं को घटाने/जोड़ने में होने वाली धोखाधड़ी की उन्हें पूरी जानकारी है।

“ गांधी ने कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में कम से कम छह हजार वोट हटाने व महादेवपुरा में कुछ इसी तरह की धोखधड़ी का आरोप लगाया था। उनके अनुसार सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर असली मतदाताओं का रूप लिया गया। गांधी ने बूथ लेबल के अधिकारी के चाचा का नाम हटाए जाने की भी चर्चा की। कुछ समय से विपक्षी दलों दल दावा करते रहे हैं कि आयोग भाजपा के साथ मिलकर मतदाता सूची से फर्जी वोट हटाने/जोड़ने का काम कर रहा है।

चुनाव आयुक्त को लोकतंत्र की हत्या करने वालों से बचाने का आह्वाहन करते हुए गांधी ने कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा व उप्र में बड़े पैमाने पर नाम हटाने का आरोप लगाया। समूचा विपक्ष एक सुर में यही कह रहा है। आयोग के नमूना मांगने के जवाब में राहुल ने इस दफा सौ फीसद प्रमाण की बात भी की। पूर्व में मतदाता सूचियों की खामियां तो स्पष्ट नजर आई हैं मगर मतदान में किसी तरह के हेरफेर के सटीक प्रमाण नहीं मिले। आरोप निराधार नहीं हैं तो इन्हें खतरे की घंटी तो माना ही जाना चाहिए।

आयोग को कीचड़ उछालने की बजाय अपनी खामियों को सुधारने के प्रति पारदर्शितापूर्ण कदम उठाते नजर आना चाहिए। अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता का उदाहरण पेश करने में कोताही नहीं बरतनी चाहिए। लोकतंत्र में हर वोट की अहमियत है। मतदाता के अधिकारों की उपेक्षा या मतदाता सूची से उसके नाम में होने वाली छेड़छाड़ की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। तकनीकी विफलताओं या प्रशासनिक भूलों के चलते संदेह की गुंजाइशें छोड़ा जाना आयोग की कार्यपणाली पर प्रश्न चिह्न लगाता है। विपक्ष को अपनी भूमिका निभाने में संकोच नहीं करना चाहिए परंतु मतदाताओं को उकसाने के लिहाज से बेबुनियादी आरोपों का सहारा भी नहीं लेना चाहिए। आरोप-प्रत्यारोप लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ों पर मट्ठा न डालें, इसकी फिक्र सबको मिल-जुलकर करनी होगी।

आज का सु-विचार

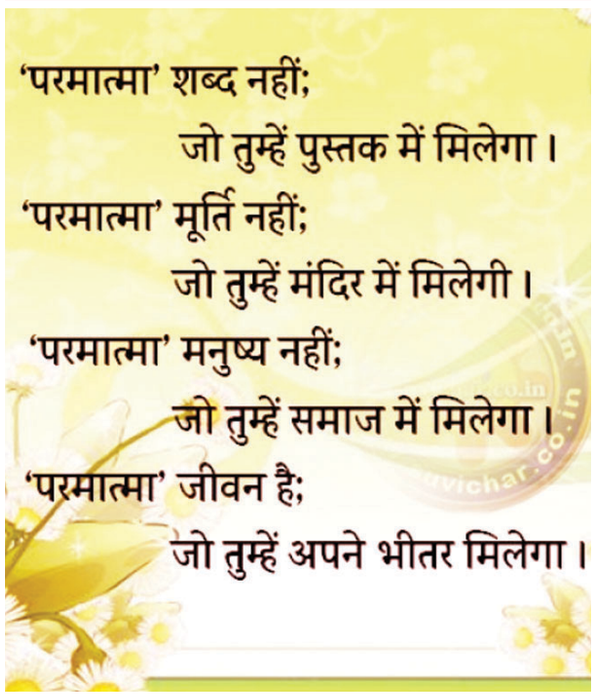

राष्ट्र संस्कृति से साक्षात्कार कराता पं. दीनदयाल उपाध्याय का राजनीतिक दर्शन

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का विभिन्न विचारधाराओं और पश्चिमी व्यवस्थाओं को लेकर उनका गहन अध्ययन रहा है। वे व्यापक शोध एवं विश्लेषण के उपरान्त निष्कर्षत: यह कहते हैं कि -पश्चिम की नकल 'मॉडर्न' होने का प्रमाण बन गया है।

भारतीय राजनीति के वृहदाकाश में दैदीप्यमान पं. दीनदयाल उपाध्याय अपने राष्ट्रीय विचारों और प्रखर चिंतक, विचारक के तौर पर लब्धप्रतिष्ठित हैं। सनातन हिन्दू संस्कृति के मुखर पक्षधर और तदानुरुप रीति-नीति के आधुनिक राजनीतिक प्रवर्तकों की अग्रगण्य पंक्ति में उनकी गिनती होती है। पंडित जी ने केवल विचार ही नहीं दिए..अपितु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जनसंघ के माध्यम से विचारों को धरातलीय रूप भी दिया। एकात्म मानव दर्शन और अन्त्योदय जैसे मूल्य जनसंघ से होते हुए वर्तमान भाजपा की नीतियों में स्पष्ट परिलक्षित होते हैं। पण्डित जी विचारकों में प्रतिष्ठित व सुशोभित होने के साथ-साथ ही चिन्तन और दर्शन के बहुआयामी लोकल्याणकारक मान-बिन्दुओं के द्वारा नूतन प्रस्थापनाएँ करते हैं। साथ ही वैचारिक और कार्य स्तर पर कई सारी भ्रामक, अहितकारी रूढ़ियों को तोड़ते हुए भारतीयता के अनुरूप मार्ग प्रशस्त करते हैं। उनके विचार एवं दर्शन के विविध रुप हैं जिनमें उनका राजनीतिक दर्शन भी अपने आप में अनूठा है। उनके राजनीतिक दर्शन के मूल में भी ङ्क 'राष्ट्र', संस्कृति, धर्म, उच्च आदर्श और समाज है। वे स्पष्ट उद्घोषणा करते हैं कि 'राजनीति राष्ट्र के लिए' ही होनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की संकीर्णता या स्वार्थ प्रेरित हित लाभ के दृष्टिकोण-अराष्ट्रीय प्रवृत्ति एवं भारत की राष्ट्रीयता के लिए एक प्रकार का खतरा ही हैं। वे राजनीतिक शुचिता व राजनीति, दल, विचारधारा के मूल में राष्ट्रोन्नति और जनकल्याण को ही रखते हैं। येनकेन प्रकारेण सत्ता प्राप्ति , अवसरवादिता और मूल्यों से पृथक राजनीति को तिलाञ्जलि देते हैं।

पं. दीनदयाल उपाध्याय एक श्रेष्ठ चिंतक-विचारक होने के साथ सजग थे। उन्होंने भारत ही नहीं बल्कि विश्व परिदृश्य में गहरा हस्तक्षेप करने वाली विचारधाराओं का गहन अध्ययन किया था। भारतीय दृष्टि के आधार पर उनका विश्लेषण और मीमांसा की थी।वे भारतीय राजनीति और वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव रखने वाली विचारधाराओं की तात्विक समीक्षा करते हुए उनका नीर-क्षीर विवेचन करते हैं। साथ ही स्वातन्त्र्योत्तर काल के उपरान्त पश्चिमी प्रभाव से ग्रस्त राजनीतिज्ञों की 'स्वदेशी' की ओर न देखकर पश्चिम के अन्धानुकरण की प्रवृत्ति का विरोध करते हैं। पश्चिमी अन्धानुकरण की प्रवृत्तियों को पंडित जी भारत और भारतीयता के लिए आत्मध्वन्सात्मक बतलाते हैं। उनके मतानुसार-आधुनिक पाश्चात्य देशों का उदय केवल पाँच सौ से सात सौ वर्षों की अवधि के पूर्व ही हुआ है, किन्तु भारत हजारों वर्षों से आसेतु हिमालय की भाँति एक उत्कृष्ट राष्ट्र के रूप में अवस्थित है। अतएव वे पाश्चात्य देशों की कसौटी और उनके निष्कर्षों पर भारत के आँकलन और अनुकरण करने को न्यायसंगत नहीं मानते हैं। दीनदयाल जी का मानना था कि -जो हमारा है उसे समयानुकूल बनाया जाए तथा जो विदेशी है, उसे राष्ट्रानुकूल बनाया जाए। वे भारतीय समाज में केवल विदेशी होने के कारण श्रेष्ठताबोध और भारतीय होने के कारण उसे उपेक्षित और नकारने की दुष्प्रवृत्ति का विरोध करते हैं।

चूँकि राजनीतिक अन्धानुकरण के चलते स्वातंर्त्योत्तर भारत में पराजयबोध, हीनभावना की व्याप्ति अकादमिक स्तर पर क्रमश: स्थापित की गई। इसलिए वे इस पर तीक्ष्ण प्रहार करते हुए कहते हैं ? स्वत्व एवं स्वाभिमान का मेरुदण्ड सीधा तना न हो तो विश्व में भौतिक दृष्टि से बलशाली, प्रभावशाली, विजयशाली तथा वैभवशाली माने जाने वाले राष्ट्रों का अनुसरण करने की प्रवृत्ति बल पकड़ती है। अपने पिछड़े और दरिद्र समाज से लज्जा आने लगती है। यह अनुसरण बड़ी बातों से लेकर छोटी-छोटी दैनिक बातों तक छनता चला आता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का विभिन्न विचारधाराओं और पश्चिमी व्यवस्थाओं को लेकर उनका गहन अध्ययन रहा है। वे व्यापक शोध एवं विश्लेषण के उपरान्त निष्कर्षत: यह कहते हैं कि - पश्चिम की नकल 'मॉडर्न' होने का प्रमाण बन गया है। यह चहुँमुखी अनुकरण ठीक नहीं, क्योंकि पश्चिमी चिन्तन और व्यवस्था मानव कल्याण में असफल रही है। आगे वे मैकॉले शिक्षा प्रणाली और उसके दुष्प्रभाव पर कहते हैं किसी ने स्वदेशी पर जोर दिया तो उसे असभ्य बता दिया जाता है। हम ब्रिटिशों से हार गए। चालाक मिशनरियों तथा शासकों ने मैकॉले शिक्षा प्रणाली के माध्यम से हमारे मन में अनेक बीज बो दिए। तब से हमारे शिक्षितों में और उनकी देखादेखी समाज के अन्य लोगों में भी पाश्चात्यों के अनुकरण की प्रवृत्ति बढ़ती गई है। स्वतन्त्रता के बाद तो वह निरंकुश हो गई है।

वे मार्क्स के दर्शन के पूर्णत: 'भौतिकवादी' होने के सिद्धांत को अनुपयुक्त मानते हैं जिसके उदाहरण के तौर पर वो रूस, चीन के क्रूर प्रकरणों का विश्लेषण करते हैं। वहीं पंडित जी'समाजवाद' और 'लोकतान्त्रिक समाजवाद' के द्वारा मनुष्य की स्वतन्त्रता की समाप्ति और समाजवाद के द्वारा मानवीय जीवन में राज्य के वर्चस्व को भी अस्वीकार करते हैं। वे कहते हैं कि 'लोकतान्त्रिक समाजवाद' जैसी कोई चीज नहीं है, शब्द भर है। क्योंकि समाजवाद लाने में लोकतन्त्र की हत्या करनी पड़ती है। साथ ही उन्होंने पूँजीवादी व्यवस्था को भी मानव कल्याण के लिए असफल माना है। इन सबका हल सुझाते हुए वे कहते हैं — विश्व की समस्याओं का हल समाजवाद पूँजीवादी लोकतन्त्र नहीं, वरन् हिन्दूवाद है। यही एक ऐसा जीवनदर्शन है जो जीवन का विचार करते समय उसे टुकड़ों में नहीं बाँटता, अपितु सम्पूर्ण जीवन को इकाई मानकर उसका विचार करता है।

वे इसे हिन्दुत्व और मानवता के तौर पर स्वीकार किए जाने की बात करते हुए स्पष्ट कहते हैं कि -यही भारत की आत्मा के अनुरूप व जनमानस में उत्साह को सञ्चारित करेगा। साथ ही विभ्रान्ति के चौराहे में खड़े विश्व के लिए मार्गदर्शक के रूप में भी काम करेगा। पंडित जी राष्ट्र को जीवमान इकाई मानते हुए कहते हैं कि-एक भूमि विशेष में रहने वाले लोगों का, जिनके हृदय में मातृभूमि के प्रति असंदिग्ध श्रद्धा का भाव हो, जिनके जीवनादर्शों में साम्य हो, जीवन के प्रति स्पष्ट दृष्टि हो, शत्रु-मित्र समान हों। ऐतिहासिक महापुरुष एक हों; इन सबसे राष्ट्र का निर्माण होता है। इसके विपरीत आक्रान्ता से इसलिए सहानुभूति रखना कि वे हम-मजहब हैं, अराष्ट्रीय प्रवृत्ति है।

इसी तरह वैश्विक राजनीति और भारतीय परिदृश्य में 'राष्ट्रवाद' सर्वदा चर्चित रहता है, भारत की वामपंथी विचारसरणी, सिद्धांत विहीन दल- भारतीय राष्ट्रवाद — राष्ट्रीय विचारों को प्राय: हिटलर, मुसोलिनी से जोड़कर लाँछित करने लगते हैं। जबकि यह सर्वज्ञात तथ्य है कि भारत की राष्ट्रीय एकीकरण की भावना के कारण ही स्वातन्त्र्य यज्ञ सफल हुआ था, अन्यथा स्वतन्त्रता असंभव सी थी। जोकि समस्त क्षेत्रों की चैतन्यता के फलस्वरूप मिली।

पण्डित जी राष्ट्रवाद के सन्दर्भ में विस्तृत व्याख्या करते हुए कहते हैं यूरोपीय राष्ट्रवाद और भारतीय राष्ट्रवाद में अन्तर है। यूरोपीय चिन्तन पारस्परिक संघर्ष की अवधारणा पर आधारित है। जबकि भारतीय राष्ट्रीयता का जन्म संघर्ष में नहीं हुआ है, अपितु सभ्यता के आरम्भ से ही भारत सांस्कृतिक राष्ट्र रहा है ; जिसमें कई राजनैतिक सत्ताएँ थी किन्तु 'राष्ट्र' एक था। भारत का राष्ट्रीय विचार न तो विस्तारवादी है, न ही साम्राज्यवादी और आक्रमणशील बल्कि भारतीय विचार 'वसुधैव कुटुम्बकम' पर आधारित है जो प्राणिमात्र के प्रति कल्याण का भाव रखता है।

भारतीय विचार की तुलना पर वे कहते हैं - पश्चिम के राष्ट्रवाद से भारत के विचार की तुलना करना ही गलत है। पश्चिम ने द्वैत के आधार पर संघर्ष का नगाड़ा बजाया और भारत ने अद्वैत के आधार पर एकात्म की बाँसुरी बजायी। दोनों वाद्य होते हुए भी दोनों की स्वरलहरियों में भारी अन्तर है। इस भेद को समझकर हमें राष्ट्रवाद का विचार करना चाहिए।

स्पष्ट है जब पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राष्ट्रवाद शब्द का प्रयोग करते हैं तो यहां वे 'राष्ट्रीयता' को ही संबोधित करते हैं। आगे पंडित जी वे भूमि, जन, संस्कृति के संघात से राष्ट्र के निर्माण की बात कहते हैं। उनकी दृष्टि में भारतीय संस्कृति का अभिप्राय ही 'हिन्दू संस्कृति' है। साथ ही उनके मतानुसार भारतीय राष्ट्रवाद का आधार यह संस्कृति है। भारत की एकात्मता तभी सम्भव है, जब संस्कृति के प्रति निष्ठा रहे। वे हिन्दू संस्कृति, शक्ति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सम्बन्ध में यथार्थबोध प्रस्तुत करते हैं -भारतीय राष्ट्रवाद सांस्कृतिक राष्ट्रवाद है, क्योंकि भारतवर्ष को राजनीति और हमलावरों ने कई बार विखण्डित किया, किन्तु संस्कृति ने उसे कश्मीर से कन्याकुमारी तक अखण्ड रखा। जहाँ हिन्दू संस्कृति और हिन्दू धर्म कमजोर हुआ वह हिस्सा भी देश से कट गया।

इन्हीं सब कारणों के चलते भारत और भारतीयता की मूल पहचान के रूप में हिन्दू संस्कृति को केन्द्र व मानबिन्दु के रूप में रखते हैं। साथ ही वे भारत में व्याप्त विविधताओं में पृथकता के स्थान पर 'एकत्व' को प्रतिष्ठित करते हुए भाषा,प्रान्त, वेशभूषा,खान-पान,रहन-सहन उपासना पद्धति के आधार पर किसी भी प्रकार के विभाजन की विकृति को अस्वीकार करते हैं। सभी के मध्य सांस्कृतिक एकता के सूत्र में पिरोई हुई माला के रुप में राष्ट्रीय चेतना और भारतमाता की भव्य झाँकी को देखते हैं।

वे विवेकानन्द की परम्परा का पथानुसरण करते हुए कहते हैं- हमारा धर्म (नॉट रिलिजन) हमारे राष्ट्र की आत्मा है। बिना धर्म के राष्ट्र जीवन का कोई अर्थ नहीं रहता है। भारत धर्म प्राण देश है, और राष्ट्र का जातीय उद्देश्य 'धर्म' है, क्योंकि भारत में धर्म पर अभी आघात नहीं हुआ। अत: यह जाति जीवित है। वे अल्पसंख्यक अवधारणा को 'प्रच्छन्न द्विराष्ट्रवाद' या बहुराष्ट्रवाद मानते हैं।

इसी प्रकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय अल्पसंख्यक और मुस्लिम हठधर्मिता को लेकर एकदम सुस्पष्ट हैं। उनका मत था कि— मुसलमानों या ईसाइयों का प्रश्न कहलाने वाली समस्या वस्तुत: धार्मिक है ही नहीं। यदि धार्मिक होती तो नानक, कबीर, गांधी आदि के सर्वधर्म समभाव के प्रयत्नों से सुलझ गई होती, किन्तु सैकड़ों सालों के प्रयास के बाद भी सुलझी नहीं क्योंकि समस्या राजनीतिक है। मुस्लिम बहुसंख्या सदैव अन्य मतावलम्बियों के प्रति असहिष्णु होती है और उनकी अल्पसंख्या सदा उपद्रवकारी। स्वयं को इस्लामी घोषित करने वाले किसी भी देश में यह अनुभव किया जा सकता है। जहां वे लोग परिणामकारक अल्पसंख्या में होते हैं वहाँ वे उपद्रव खड़ा करते हैं क्यों ? इसलिए कि उनके मन में अपने समाज का राजनीतिक वर्चस्व प्रस्थापित करने की आकांक्षा होती है। मुसलमानों का यह सामूहिक स्वभाव बन गया है। धर्म और राजनीति में वे कोई अन्तर नहीं मानते। धर्म के आवरण में अपनी राजनीतिक आकांक्षाओं की पूर्ति करा लेने का मुसलमानों और ईसाइयों द्वारा अखण्ड प्रयास किए जाने के कारण उत्पन्न समस्या ही हिन्दुस्तान के अल्पसंख्यकों की समस्या का वास्तविक रूप है।

आगे वे भारतीय मुसलमानों के परावलम्बन, राजनीतिक हठधर्मिता, राष्ट्र-संस्कृति के प्रति अलगाव के कारण भारत में व्याप्त मुस्लिम समस्या का समाधान सुझाते हैं। वे मुस्लिमों के राजनीतिक पराभव और उनके समावेशन का मार्ग बतलाते हैं। वे कहते हैं — मुसलमानों की हठधर्मिता का पराभव करने का श्रेष्ठ उपाय है कि उनका राजनीतिक पराभव किया जाए। जब तक उनकी यहाँ राजनीतिक पराजय नहीं होती उनकी समस्या उलझती ही रहेगी, किन्तु उनकी राजनीतिक हार हो जाए तो वे निश्चय ही अपनी पूर्व स्थिति पर विचार करेंगे और जिस समय वे इस प्रकार विचार करने की मानसिकता में आएँगे तभी दोनों (हिन्दू और मुसलमान) समाजों में सच्चा सांस्कृतिक सहयोग प्रारम्भ होगा। पराजय आत्मनिरीक्षण करवाती है हिन्दुओं की तो परम्परा ही ऐसी रही है कि किसी पंथ को नष्ट करने की झंझट में न पड़ते हुए उसे अपने में समा लेना । हमारी नीति राष्ट्रीय स्तर पर आक्रामक, धर्म के स्तर पर सहिष्णु तथा सामाजिक धरातल पर समावेशक रहनी चाहिए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का स्पष्ट मानना था कि — मुस्लिम और ईसाई बाहर से आए हुए लोग नहीं हैं। उनके पूर्वज हिन्दू ही थे। धर्म बदल जाने से राष्ट्रीयता नहीं बदलती, संस्कृति नहीं बदलती। इसीलिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय कहते हैं कि— मुसलमान व ईसाई चाहे जैसे अपने धर्म को मानें, रोजे रखें, चर्च जाएँ किन्तु इस देश की संस्कृति को अपनी संस्कृति मानें। मक्का-मदीना या वेटीकन सिटी से ज्यादा काशी और अयोध्या से लगाव रखें क्योंकि संस्कृति का सम्बन्ध राष्ट्र के अस्तित्व के साथ होता है। भारतीय संस्कृति के मूल्यों, आदर्शों, राष्ट्र पुरुषों, परम्पराओं तथा श्रद्धा केन्द्रों के प्रति विरोध एवं विध्वंस की भावना तथा राजनीतिक प्रभुता की आकांक्षा संघर्ष का कारण बनेगी।

पन्थनिरपेक्षता के सम्बन्ध में भी दीनदयाल जी स्पष्ट हैं। वे इस पाश्चात्य अवधारणा के सम्बन्ध में कहते हैं — सेक्युलरिज्म भारतीय धरती पर बलात् रोपा गया विदेशी पौधा है। इसके सही स्वरूप को न समझ पाने के कारण ही भारतीय राजनीतिज्ञों ने इसका अर्थ ही बदल डाला। भारत में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ 'सर्वधर्म समभाव' के स्थान पर हिन्दू धर्म, सभ्यता, संस्कृति से जुड़ी हर बात का विरोध तथा मुसलमानों व ईसाइयों की हर उचित-अनुचित माँग का; चाहे वह राष्ट्र विघातक व संविधान विरोधी क्यों न हो। इसका समर्थन करना तुष्टिकरण ही रह गया है।

लोकतन्त्र में उनकी दृढ़ आस्था थी -वे व्यक्ति से अधिक दल को, दल से अधिक सिद्धांत को, सिद्धांत से ज्यादा लोकतन्त्र को और लोकतन्त्र और राष्ट्र में विरोध होने पर राष्ट्र को महत्व देते हैं। वे राष्ट्र को केवल भूमि का टुकड़ा नहीं मानते हैं। अपितु वे जीवंत मानते हैं। राजनीति के लिए उनका ध्येय वाक्य था — 'राजनीति राष्ट्र के लिए' .. इसे और सुपरिभाषित करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय कहते हैं कि—कोई भी संगठन या दल तभी ठीक प्रकार से काम कर पाता है, जबकि उसकी प्रेरणा राष्ट्र हो।

राजनीति को लेकर उनकी दृष्टि एकदम सुस्पष्ट थी। वे राष्ट्र के ऊपर किसी 'वाद' को मानने वाले दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहते हैं — जो लोग राष्ट्रीयता का मखौल उड़ाकर, राष्ट्र के विचारों को तिलांजलि देकर विभिन्न प्रकार के वादों में उलझते हैं वे भूल करते हैं। उनके हाथ से कोई अच्छा कार्य नहीं हो सकता। समाजवाद, पूँजीवाद, प्रजातंत्र अथवा कोई भी वाद अधिक से अधिक एक रास्ता है, प्रगति का आधार नहीं। व्यक्तिगत, दलगत या वादगत कोई विचार लेकर चलने से प्रगति नहीं हो सकती। राजनीति आखिर राष्ट्र के लिए ही है। यदि राष्ट्र का विचार छोड़ दिया, याने राष्ट्र की अस्मिता, उसके इतिहास, संस्कृति, सभ्यता को छोड़ दिया तो राजनीति का क्या उपयोग? राष्ट्र का स्मरण कर कार्य होगा तो सबका मूल्य बढ़ेगा। राष्ट्र को छोड़ा तो सब शून्य जैसा ही है।

इस प्रकार जब हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के राजनीतिक दर्शन के सूत्रों को देखते हैं तो उनमें 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना और चिंतन दिखाई देता है। वे बारंबार इस बात पर बल देते हैं कि राजनीति को राष्ट्रीयता का पोषण करने वाली होना चाहिए। साथ ही वे राष्ट्र को क्षीण करने वाली राजनीति को त्याज्य मानते हैं। अनुशासन और शुचिता को महत्व देते हैं। इसीलिए वे किसी भी दल के लिए — दर्शन, नेता, नीति, कार्यकर्ता और कार्यक्रम जैसे पांच प्रमुख सूत्र देते हैं। राजनीति का उद्देश्य सत्ता प्राप्ति की होड़ नहीं अपितु जनहित- राष्ट्रहित की ओर प्रेरित और पथप्रदर्शित करते हैं।

स्पष्टत: पं दीनदयाल उपाध्याय के राजनीतिक दर्शन में भारतीयता और संस्कृति स्पष्ट रूप से प्रतिबिम्बित होती है। उनकी राष्ट्रोन्नति से आप्लावित वैचारिक चेतना में राष्ट्र के सर्वाङ्गीण विकास का दिशाबोध और स्पष्ट दृष्टिकोण प्राप्त होता है। जो सतत् नूतन भारत को गढ़ने का मार्ग दिखाता है। पंडित जी का पूरा दर्शन राष्ट्रीय एकता, अखंडता, एकात्मता और समस्याओं का नीर-क्षीर विवेचन कर— राष्ट्र संस्कृति से सबको संस्कारित करता है। मूल्यों की विरासत के साथ राष्ट्रनिष्ठ- शुचितापूर्ण राजनीति का युगबोध प्रदान करता है।

आखिर कौन कर रहा है सांप्रदायिक तनाव भड़काने की साजिश

मृत्युंजय दीक्षित

तमाम कट्टरपंथी और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तत्व इस आग में घी डालने का प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो और कमेंट पोस्ट करके तनाव बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के कानपुर में बारावफात जुलूस के दौरान लगे, आई लव मोहम्मद बोर्ड से शुरू हुआ विवाद अब देशभर में फैल रहा है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव, बरेली, लखनऊ, महराजगंज, जालौन से लेकर कैसरगंज समेत कई शहरों में मुस्लिम समाज अत्यंत उग्रता के साथ जुलूस निकाल रहा है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बहुत ही सघन मुस्लिम बहुल इलाके में भी आई लव मोहम्मद लिखा बैनर टांगा गया है जिसके कारण स्थानीय स्तर पर तनाव अनुभव किया गया। इन जुलूसों में कई जगह पुलिस से टकराव और पथराव भी हो रहा है। मुस्लिम समाज के लोग व मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में संलिप्त रहने वाले लोग इसे मुस्लिम समाज का जेन-जी आंदोलन कहकर आग में घी डालने का कुत्सित प्रयास करते नजर आ रहे हैं जो तनाव को और बढ़ा रहा है। सोची समझी रणनीति के अंतर्गत इस आंदोलन में नाबालिग बच्चों को आगजनी और पुलिस पर पथराव करने के लिए आगे किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश से शुरू हुयी ये अराजकता अब उत्तराखंड के काशीपुर और तेलंगना के हैदराबाद समेत देश के कई शहरों में पहुँच गई है। आइ लव मोहम्मद के समर्थन में उत्तराखंड में पुलिस बल पर सीधा पथराव तथा हमला किया गया, हमले में जिसमें महिला पुलिस कर्मी भी अभद्रता और मार पीट का शिकार हुयीं। पुलिस की गाड़ियाँ तोड़ दी गयीं। यही हाल गुजरात के गोधरा शहर में भी हुआ और महाराष्ट्र के नागपुर में भी। इन प्रदर्शनों के दौरान सिर तन से जुदा आरै लब्बैक-लब्बैक जैसे बेहद आक्रामक और आपत्तिजनक नारे लगाए जा रहे हैं।

इस पूरे विवाद की पटकथा उत्तर प्रदेश के कानपुर से शुरू हुई। कानपुर के रावतपुर में बारावफात जुलूस निकाला जा रहा था। जिस मार्ग पर जुलूस निकाला जा रहा था उसी रास्ते पर एक जगह 'आई लव मोहम्मद' का साइन बोर्ड लगा दिया गया। इसको लेकर हिंदू पक्ष ने विरोध किया और आरोप लगाया कि यहां नई परंपरा शुरू की जा रही है। दोनों पक्षों में तनाव बढ़ता देखकर पुलिस ने हस्तक्षेप किया और किसी प्रकार से मामला यह कहकर शांत करवाया कि नियम है कि जुलूस में किसी तरह की नई परंपरा नहीं डाली जाएगी। किन्तु बारावफात के जुलूस के दौरान कुछ लोगों ने नई परंपरा डालते हुए परंपरा वाली जगह पर ही टेंट और साइन बोर्ड फिर से लगवा दिया।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि, आई लव मोहम्मद को लेकर कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। इस बीच संभवत: पूर्व नियोजित साजिश के अनुसार कानपुर में मुस्लिम पक्ष ने हिंदू पक्ष पर आरोप लगाया कि उसने साइन बोर्ड को फाड़ दिया था। वहीं हिंदू पक्ष ने इसका खंडन करते हुए कहा कि मुस्लिम पक्ष के जुलूस में शामिल लोगों ने हिन्दुओं के धार्मिक पोस्टर फाड़े। पुलिस के बीच-बचाव के बाद ऐसा लगा कि अब मामला शांत हो गया है। बाद में कानपुर पुलिस ने बारावफात के जुलूस के दौरान आई लव मोहम्मद नाम का एक नया बोर्ड बनाकर नई परंपरा शुरू करने और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए मुकदमा दर्ज किया।

इस बीच पहले से तैयार बैठे एआईएमआईएम नेता और सांसद असदुददीन ओवैसी ने सोशल मीडिया एक्स पर कानपुर पुलिस को टैग करते हुए एक पोस्ट लिखा कि, 'आई लव मोहमद' कहना जुर्म नही है अगर है तो इसकी हर सजा मंजूर हैं। ओवैसी ने जिस पोस्ट को लेकर कोट किया था उसमें दावा किया गया था कि मुस्लिम पक्ष की ओर से कथित तौर पर नई परंपरा शुरू करने को लेकर पुलिस ने मुकदमा कर दिया है। इस बात की प्रबल

संभावना व्यक्त की जा रही है कि ओवैसी की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहों का बाजार गर्म होता गया और अब यह आग देश के अनेकानेक हिस्सों में फैलती जा रही है।

तमाम कट्टरपंथी और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तत्व इस आग में घी डालने का प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो और कमेंट पोस्ट करके तनाव बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह सब कुछ उस समय हो रहा है जब हिन्दू पर्वों की नवरात्र से देवदीपावली तक एक लंबी श्रृंखला चलने वाली है।

इन सभी घटनाओं का पैटर्न लगभग एक ही जैसा नजर आ रहा है। बरेली के जखीरा मुहल्ले में आई लव मोहम्मद लिखे कई पोस्टर लगे थे। इंस्पेक्टर सुभाष कुमार ने बताया कि भीड़ होने की सूचना पर, वे पहुंचे तो पाया कि वहां इत्तेहाद-ए- मिल्लत काउंसिल के महासचिव डा. नफीस खान भी थे। पुलिस के पहुंचने पर नफीस खान ने वहां पर उपस्थित लोगों को घर जाने के लिए कह दिया किंतु बाद में इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ उसमें डा नफीस कुछ लोगों से कहते सुनाई दे रहे हैं कि मैंने इंस्पेक्टर को बहुत अपशब्द कहे। मैंने कहा कि, हाथ काट लूंगा, वर्दी उतरवा दूंगा। जांच मे पता चला है कि पुलिस के मोहल्ले से लौटने के बाद नफीस ने भीड़ को भड़काने का प्रयास किया। नफीस बरेली में मौलाना तौकीर रजा खां की पार्टी आईएमसी के महासचिव हैं।

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इन जुलूसों में 10 साल से कम आयु के लड़कों तथा औरतों द्वार उग्र प्रदर्शन कराया जा रहा है। उन्नाव में हिंसक उपद्रव का नेतृत्व महिलाओ व बच्चो ने किया। बुर्कानशीं महिलाओं ने ही पुलिस बल पर पत्थर बरसाये ओर नाबालिगों ने सर तन से जुदा के नारे लगाकर माहौल खराब किया। कठिनाई यह है कि हमारे देश के संविधान में नाबालिगों को केवल सुधार गृह भेज दिया जाता है और महिलाओं की प्राय: जल्दी गिरफ्तारी नही होती। वहीं दूसरी ओर तथाकथित संविधान रक्षक मुस्लिम तुष्टिकरण का खेल प्रारंभ कर देते हे। इन सभी उपद्रवियों को पता है कि उन्हें सभी छद्म धर्मनिरपेक्ष दलों का खुला समर्थन प्राप्त है। नाबालिगों को सोच समझ कर केवल इसलिए शामिल किया जा रहा है क्योंकि वह आसानी से छूट जाएंगे और सजा भी बहुत कम होगी।

भारत में सार्वजनिक जगहों पर बिना अनुमति पोस्टर बैनर लगाना गैरकानूनी है किंतु सभी लोग इसका उल्लंघन करते हैं। पुलिस का कहना है कि यह आंदोलन गुमराह करने वाला है। मुस्लिम तुष्टिकरण में संलिप्त नेता इस आंदोलन को अल्पसंख्यकों के दमन से उपजा आक्रोष बता रहे हैं और भाजपा व हिंदू संगठनों को दोष दे रहे हैं। एक पार्टी के प्रवक्ता तो तुष्टिकरण में इतने आगे बढ़ गए कि आंदोलन सम्बन्धी एफआईआर को ही संविधान विरोधी कृत्य बताने लगे। विगत दिनों बहराइच में एआईएमआईएम के नेता द्वारा स्थानीय महाराजा सुहेलदेव राजभर का अपमान करने के कारण भी तनाव उत्पन्न हो गया था।

इस प्रकार के तनाव उत्पन्न करने का प्रयास उस समय किया जा रहा है जब योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में देश का ग्रोथ इंजन बनने की ओर अग्रसर है। योगी जी को अच्छी तरह से पता है कि उपद्रवियों व दंगाइयो से किस प्रकार निपटा जाता है। उत्तर प्रदेश की जनता को सरकार व योगी जी की रणनीति पर पर पूरा भरोसा है। यहां की पुलिस सतर्क भी है और कड़क भी। उत्तर प्रदेश प्रशासन इस आंदोलन की जड़ तक जाएगा और षड्यंत्रकारियों को ढूंढ निकालेगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

दुर्ग ग्रामीण स्तरीय क्विज प्रतियोगिता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए विधायक चंद्राकर

दुर्ग। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, धनोरा में विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयक दुर्ग ग्रामीण के तत्वावधान में राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत विकासखंड दुर्ग ग्रामीण स्तरीय क्विज प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित हुआ। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपनी जानकारी, कौशल और नवोन्मेषी सोच का प्रदर्शन किया। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और सम्मान प्रदान कर उनकी मेहनत एवं प्रतिभा को सराहा गया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने संबोधन में बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कोई भी लक्ष्य मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं है। हारा वही है जो प्रयास नहीं किया। आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिन रात मेहनत कीजिए और जीवन में जो लक्ष्य हासिल करना है उस मुकाम तक पहुंचे जहां आपको पहुंचना है। आज नई शिक्षा नीति 2020 के तहत नवाचार प्रयोग हो रहे हैं आपको जो सब्जेक्ट अच्छा लगता है जिसमें आपको जीवन बनाना है वह सब्जेक्ट चुनकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सकते हैं। जीवन में आप नौकरी मांगने वाले नहीं नौकरी देने वाले बने। आगे श्री चंद्राकर ने कहा इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों में नवाचार, प्रतियोगिता की भावना और आत्मविश्वास विकसित करने के साथ-साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह उन्हें न केवल शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने, बल्कि समाज और देश के लिए सक्रिय योगदान देने के लिए भी प्रेरित करता है।आजकल के बच्चे मोबाइल इंटरनेट के माध्यम से नवाचार करके नए-नए आविष्कार किया जा रहा है।

सीईओ जिला पंचायत ने भटगांव में किया पीएम आवास एवं अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का निरीक्षण

दुर्ग। ग्राम पंचायत भटगांव में 27 सितम्बर 2025 को जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अटल डिजिटल सुविधा केंद्र अंतर्गत संचालित गतिविधियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अपूर्ण प्रधानमंत्री आवासों को शीघ्र पूर्ण करने तथा अप्रारंभ आवासों को तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के माध्यम से महतारी वंदन योजना के अंतर्गत लाभान्वित महिलाओं के ट्रांजैक्शन सहित अन्य डिजिटल सेवाओं के नियमित संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। सीईओ श्री दुबे ने एनपीसीआई मैपिंग एवं अन्य बैंकिंग कार्यों को भी समय पर पूर्ण कराने पर जोर देते हुए बैंक सखी को विभिन्न पंचायतों में भ्रमण कर कार्य संपन्न करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया आईआईटी भिलाई फेस-2 परियोजना का वर्चुअल शिलान्यास

भारत सरकार ने फेस 2 के लिए 2257.55 करोड़ रुपए किए है मंजूर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारसुगुड़ा (ओडिशा) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान देश के आठ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में अधोसंरचना विकास कार्यों का वर्चुअल शिलान्यास किया। इनमें आईआईटी भिलाई के फेस-2 परियोजना भी शामिल है। अन्य सात संस्थानों में आईआईटी पटना, आईआईटी इंदौर, आईआईटी जोधपुर, आईआईटी तिरुपति, आईआईटी पलक्कड़, आईआईटी धारवाड़ और आईआईटी जम्मू सम्मिलित हैं।

इस अवसर का सीधा प्रसारण आईआईटी भिलाई परिसर के नालंदा व्याख्यान कक्ष में किया गया। समारोह में छत्तीसगढ़ के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और अहिवारा के विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा उपस्थित रहे।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा आठ आईआईटी परियोजनाओं का शिलान्यास होना पूरे देश और छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। इससे प्रदेश में तकनीकी शिक्षा का विस्तार होगा और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईआईटी भिलाई के फेस-2 निर्माण पूर्ण होने पर शोधार्थी छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। आईआईटी भिलाई की स्थापना वर्ष 2016 में की गई थी। फेस-1 निर्माण के लिए 1090.17 करोड़ मंजूर किए गए थे, जिसके तहत 1 लाख 34 हजार 450 वर्ग मीटर क्षेत्र में स्मार्ट, पर्यावरण-संवेदनशील और छात्र-केंद्रित परिसर विकसित किया गया, जिसका लोकार्पण प्रधानमंत्री द्वारा 20 फरवरी 2024 को किया गया था। इस परिसर को जीआरआईएचए एलडी रेटिंग और एनएससीआई सुरक्षा पुरस्कार 2021 सहित कई सम्मान प्राप्त हुए हैं।

आईआईटी भिलाई का परिसर गोंड आदिवासी कला से प्रेरित प्रवेश गलियारों से सुशोभित है, जो छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक हैं। संस्थान वर्तमान में लगभग 185 करोड़ रुपये की 300 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं का नेतृत्व कर रहा है तथा अब तक 30 पेटेंट दर्ज किए जा चुके हैं। संस्थान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंत:विषय साइबर-भौतिक प्रणालियों (NM-ICPS) पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत स्थापित सेक्शन 8 कंपनी आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन (IBITF) की मेजबानी करता है। हाल ही में आईबीआईटीएफ को वित्तीय क्षेत्र के लिए फिनटेक आधारित नवाचारों को प्रोत्साहित करने हेतु 'श्रेणी-ए हब' के रूप में नामित किया गया है। आईआईटी भिलाई की एक उल्लेखनीय पहल विद्या समीक्षा केंद्र, छत्तीसगढ़ है, जो राज्यभर के स्कूलों, शिक्षकों और छात्रों के लिए एक केंद्रीकृत, वास्तविक समय डिजिटल निगरानी प्रणाली है। इस मंच ने 10 लाख गैर-मौजूद छात्र रिकॉर्ड की पहचान कर उन्हें समाप्त किया, जिससे लगभग 40 करोड़ रुपये की बचत हुई और 60 लाख पाठ्यपुस्तकों का सही वितरण संभव हो सका। इसके अलावा संस्थान ने गहन तकनीकी समाधानों के माध्यम से जनजातीय समुदायों के उत्थान के लिए देशभर में कुल 54 जनजातीय विकास परियोजनाएँ शुरू की हैं, जिन पर 19 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे हैं।

फेस-2 परियोजना : तकनीकी शिक्षा और नवाचार की नई दिशा

भारत सरकार ने 29 मई 2025 को फेस-2 निर्माण के लिए 2,257.55 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, जिनमें से 1,092 करोड़ रुपये परिसर निर्माण पर व्यय होंगे। इस चरण में 1 लाख 51 हजार 343 वर्ग मीटर का अतिरिक्त क्षेत्र विकसित किया जाएगा, जिसमें नए इंजीनियरिंग और विज्ञान विभाग, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, आईसीटी सक्षम व्याख्यान कक्ष और प्रोटोटाइप सुविधाएँ शामिल होंगी। छात्र संख्या 1,500 से बढ़कर 3,000 हो जाएगी। परियोजना में छात्रावास, मेस हॉल, खेल परिसर, ओपन एयर थिएटर, कैंटीन, खेल मैदान, टेनिस कोर्ट, आवासीय भवन, स्वास्थ्य केंद्र और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जैसी सुविधाएँ भी जोड़ी जाएंगी। फेस-2 की सबसे महत्वपूर्ण पहल छत्तीसगढ़ का पहला अनुसंधान पार्क है, जिसकी स्थापना 96 करोड़ रुपये की लागत से की जाएगी। इस परियोजना को अक्टूबर 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

वर्तमान और भविष्य

वर्तमान में आईआईटी भिलाई में बी.टेक, एम.टेक, एम.एससी. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत 1,525 छात्र अध्ययनरत हैं। फेस-2 विकास के साथ यह संख्या 3,000 तक पहुँच जाएगी। इससे संस्थान न केवल शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में बल्कि उद्योग सहयोग और तकनीकी विकास में भी एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित होगा। इस अवसर पर संस्था के विषय विशेषज्ञ, प्राध्यापकगण, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रोत्साहन-प्रतिभा मेरिट अवार्ड समारोह में ठेका कार्मिकों के बच्चों की मेधा का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा 26 सितम्बर 2025 को महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर में ठेका कार्मिकों के बच्चों की शैक्षणिक उत्कृष्टता को सम्मानित करने हेतु प्रोत्साहन-प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार थे। विशिष्ट अतिथियों में मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता, महाप्रबंधकशिखा दुबे महाप्रबंधक ए बी श्रीनिवास उपस्थित थे। समारोह में भिलाई इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही सेफी चेयरमेन एवं ओ.ए.-बीएसपी के अध्यक्ष एन के बंछोर, महासचिव अंकुर मिश्रा सहित यूनियन प्रतिनिधि, एस.सी./एस.टी. एसोसिएशन, डिप्लोमा इंजीनियर एसोसिएशन के पदाधिकारी, मीडियाकर्मी, पुरस्कार विजेता विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सत्र 2023-24 में कक्षा 8वीं, 10वीं और 12वीं में 50 प्रतिषत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमश: 5000 रुपये, 8000 रुपये और 10000 रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। इस वर्ष कुल 235 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें खदान क्षेत्रों के 4 आवेदक भी शामिल थे। प्राप्त आवेदनों से इस वर्ष कुल 172 विद्यार्थियों को 13,34,000 रुपये की राशि वितरित की गई। इनमें कक्षा 8वीं के 54, कक्षा 10वीं के 58 और कक्षा 12वीं के 60 विद्यार्थी शामिल रहे। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार केवल आर्थिक सहयोग नहीं है, बल्कि एक उज्ज्वल प्रकाशस्तंभ हैं, जो विद्यार्थियों को अपनी उपलब्धियों से आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि ये सम्मान उत्कृष्टता की मशाल को प्रज्वलित रखते हुए विद्यार्थियों को अद्वितीय सफलता और विशिष्टता की ओर अग्रसर करते हैं। श्री पवन कुमार ने इस कार्यक्रम को भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन का ठेका कार्मिकों के मेधावी बच्चों के लिए एक अभिनव प्रयास बताया, जो संयंत्र की सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है।

स्वागत भाषण में महाप्रबंधक शिखा दुबे ने प्रोत्साहन योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि यह योजना उन ठेका कार्मिकों के बच्चों के लिए प्रारंभ की गई थी, जिन्होंने बीते दो वर्षों में कम से कम तीन माह की अवधि भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्य किया है।

स्वागत भाषण में महाप्रबंधक शिखा दुबे ने प्रोत्साहन योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि यह योजना उन ठेका कार्मिकों के बच्चों के लिए प्रारंभ की गई थी, जिन्होंने बीते दो वर्षों में कम से कम तीन माह की अवधि भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्य किया है।

बेस्ट एसएलआरएम को मिलेगा पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली निगम बेहतर कार्य करने वाले कचरा पृथक करण केंद्र (एस एल आर एम) को पुरस्कृत करेगा। इसके लिए शनिवार को प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान न केवल सजाया गया बल्कि कबाड़ से कलाकृति तैयार कर प्रदर्शन किया गया।

निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने इस बार स्वच्छता पखवाड़ा के तहत नया प्रयोग किया। एस एल आर एम सेंटर को बेहतर करने और व्यवस्थित तरीके से संचालन के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया।

उन्होंने बताया कि आने वाले समय में सर्वेक्षण होने पर हमें मदद मिलेगी। इसके अलावा वहां के कर्मचारी पुरस्कृत होने पर गर्व महसूस करेंगे। शनिवार की दोपहर आयुक्त द्वारा नामित निर्णायक मंडल उप अभियंता डिगेश्वरी चंद्राकर, मिशन मैनेजर अरुणा धृतलहरे , आईरा आनंद , पीआईयू विजय कश्यप ने निरीक्षण किया। परिणाम सोमवार को घोषित किया जाएगा।

रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में नि:श्रेयस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आर.एस.एम.) में नि:श्रेयस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक राजीव पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य में किया गया। यह आयोजन मुख्य महाप्रबंधक टी. दस्तीदार के मार्गदर्शन और नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

नि:श्रेयस प्रशिक्षण पहल का उद्देश्य नवीनतम प्रौद्योगिकी से संबंधित ज्ञान को बढ़ाना है जिससे उपकरणों के सुचारू संचालन और रखरखाव को सुनिश्चित किया जा सके।

साथ ही कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को किसी एक विषय का चयन कर उस पर गहन अध्ययन करने तथा सत्र के दौरान प्राप्त जानकारियों और अनुभवों को साझा करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान सहायक महाप्रबंधक मनोज कुमार तथा उप प्रबंधक मनीष दुआ ने रेल मिल में प्रयुक्त 2डी मैन मोटर के नवीनीकरण कार्य, उपयोगिता और उसकी कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

मुख्य अतिथि राकेश पाण्डेय ने कार्यक्रम के आयोजन के प्रयासों की सराहना की और ऐसे मंचों के महत्व पर प्रकाश डाला जो सीखने और नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे प्राप्त ज्ञान और अंतर्दृष्टि को अपने कार्यों में सक्रिय रूप से लागू करें।

टी. दस्तीदार ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम संयंत्र में स्थापित उपकरणों के संचालन और अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। इससे प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण मशीनरी की मूल बातें और उसकी कार्यक्षमता को समझने में मदद मिलेगी, साथ ही विभागों के बीच सहयोग को प्रोत्साहन देकर संचालन में और सुधार करने की प्रेरणा भी मिलेगी।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक यू.एस. बरवाल, महाप्रबंधक धुर्जाति सिन्हा, अजय कुमार वर्मा, नितिन खरे, अरविंद टंडन, विनय कुमार, आर.के. राजधर, उप महाप्रबंधक आर.के. पवार, सुनील सिंह, सहायक महाप्रबंधक जी.पी. सोनी, अवनीश मिश्र, राजेश नायक, आर. मनोज, भूपेंद्र कुमार गौर, एस.के. बोरकर, वरिष्ठ प्रबंधक मोनीषा मिश्रा तथा सहायक प्रबंधक प्रशांत दवे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधक अभिलाष गुप्ता ने किया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

प्रोजेक्ट धड़कनः आंगनबाड़ी और शासकीय स्कूलों में बच्चों की निःशुल्क हृदय जांच

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है – बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से SIRD निमोरा में, 06 बच्चों की जांच की गई, जिसमें 03 छात्र एवं 03 छात्राएं शामिल रही, जिसमें कोई बच्चा सस्पेक्टेड नहीं मिला। गवर्मेंट हॉयर सेकेंडरी स्कूल राखी में 173 बच्चों की स्क्रीनिंग किया गया जिसमें 62 छात्र एवं 111 छात्राएं शामिल रहे तथा कोई भी बच्चा सस्पेक्टेड नहीं मिला। शिविर के दौरान बच्चों की जांच तेज धड़कन, वजन न बढ़ना, शरीर में नीलापन, बार-बार सर्दी-खांसी, सांस लेने में तकलीफ, तथा स्तनपान के समय पसीना आने जैसे लक्षणों के आधार पर की गई।

कृषि यांत्रिकीकरण सबमिशन के तहत ऑनलाईन आवेदन 9 अक्टूबर से

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में चौम्प्स प्रणाली अंतर्गत क्रियान्वित कृषि यांत्रिकीकरण सबमिशन के तहत अनुदान पर कृषकों को ट्रैक्टर प्रदाय करने हेतु ऑनलाईन आवेदन 9 अक्टूबर से प्रारंभ किया जा रहा है। योजना के तहत कृषकों को अनुदान पर ट्रैक्टर प्रदाय किया जाएगा। इच्छुक कृषक चौम्प्स के पोर्टल http://champs.cgstate.gov.in/ के माध्यम से 9 अक्टूबर से कार्यालयीन समय 10 बजे से आवेदन कर सकते हैं।

साफ-सफाई नियमों की अनदेखीः निगम ने लगाया जुर्माना

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही ने निगम जोन 4 जोन स्वास्थ्य अधिकारी विरेन्द्र चंद्राकर एवं निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग के स्वच्छता निरीक्षक गिरीजेश तिवारी की उपस्थिति में द पजाबी रेस्टोरेंट कटोरा तालाब में आउटलेट की समस्या होने और सफाई में लगातार 3 नोटिसे स्वास्थ्य विभाग द्वास देने के बाद भी सुधार नहीं किये जाने पर स्थल पर तत्काल संबंधित दा पंजाबी रसोई के सचालक पर उन्हे भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए 10000 रुपए का ई जुर्माना किया। इसी प्रकार अमृतसरी होटल कटोरा तालाब में आउटलेट की समस्या होने पर सबधित होटल संचालक को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए 8000 रुपए का ई जुर्माना नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया गया।

तिल्दा में आयोजित 'प्रोजेक्ट उद्यमी' क्रेडिट कैम्प में 378 हितग्राहियों को 9.57 करोड़ रुपये का ऋण वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में अभिनव पहल 'प्रोजेक्ट उद्यमी' की शुरुआत की गई है। इसी कड़ी में आज तिल्दा में आयोजित क्रेडिट कैम्प में विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को सीधा लाभ प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद पंचायत तिल्दा के अध्यक्ष टिकेश्वर मनहरे एवं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष चन्द्रकला खुमान वर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने हितग्राहियों को बैंक ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए और कहा कि 'प्रोजेक्ट उद्यमी' ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ-साथ युवाओं और ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

क्रेडिट कैम्प में प्रोजेक्ट उद्यमी के अंतर्गत 378 हितग्राहियों को कुल 9.57 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया। इस पहल का

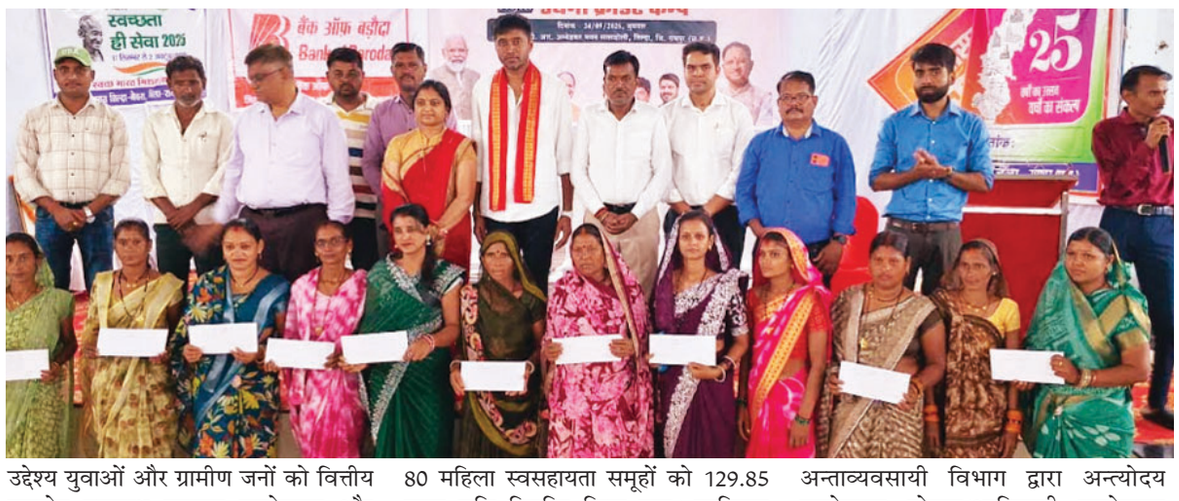

उद्देश्य युवाओं और ग्रामीण जनों को वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराकर स्वरोजगार और उद्यमिता को प्रोत्साहन देना है। कार्यक्रम में कृषि विभाग द्वारा 1173 कृषक का नवीन केसीसी किया गया, स्वरोजगारलिंक के द्वारा बैंक लिंकेज के तहत 80 महिला स्वसहायता समूहों को राशि 219.3 लाख स्वीकृत एवं 80 महिला स्वसहायता समूहों को 129.85 लाख राशि वितरित किया गया। व्यक्तिगत उद्यम हेतु 73 उद्यमियों को 69.7 लाख रुपए की ऋण स्वीकृति एवं 47.68 लाख रुपए ऋण राशि वितरित की गई, पशु चिकित्सा विभाग द्वारा 03 केसीसी 5.50 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई, जिला अन्ताव्यवसायी विभाग द्वारा अन्त्योदय स्वरोजगार योजना/आदिवासी स्वरोजगार योजना द्वारा 21 हितग्राहियो को 2 लाख रुपए तथा 3 हितग्राहियों को 60 हजार रुपये वितरित किये गए, उद्यानिकी विभाग द्वारा बागवानी मिशन के तहत् 30 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 110 हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं 6 हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया, मत्स्य पालन विभाग द्वारा 2 कृषकों को 3.0 लाख की राशि स्वीकृत की गई, खादी ग्रामोद्योग द्वारा उपस्थित हितग्राहियों को पीएमईजीपी/सीएमईजीपी के संदर्भ मे जानकारी प्रदान की गई, जिला व्यापर उद्योग केन्द्र द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को पीएमएफएमई योजना की जानकारी दी गई, प्रदान संस्था द्वारा उद्यमियों को बेहतर उद्यम संचालन हेतु ऐप के माध्यम से बहीखाता संधारण के संदर्भ में जानकारी दी गई।

प्रोजेक्ट उद्यमी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने, उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की ठोस पहल है। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार सिंह एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनिश ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

स्वच्छ शहर जोड़ी अभियान : रायपुर नगर निगम अब बना बीरगांव नगर निगम का मार्गदर्शक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को राष्ट्रीय स्तर पर 'स्वच्छ शहर जोड़ी' पहल का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा शुभारंभ किया। इस पहल के अंतर्गत रायपुर और बीरगांव की जोड़ी बनी है। रायपुर नगर निगम अब बीरगांव नगर निगम का स्वच्छता के क्षेत्र में मेंटर (मार्गदर्शक) बना है और बीरगांव मेंटी बना है। इस संबंध में दोनों निगमों के मध्य दोनों निगमों के मध्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के समय निर्देशानुसार समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर रायपुर निगम मुख्यालय में हस्ताक्षर भी हुए हैं।

100 दिनों के लक्ष्य से स्वच्छता सर्वेक्षण में आंके जाएंगे जोड़ी शहर यह हस्ताक्षरित एमओयू 3 अक्टूबर तक केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इसके बाद यथास्थिति की रिपोर्ट और एक्शन प्लान बनाकर 10 अक्टूबर तक इसी पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इस प्लान के क्रियान्वयन के लिए 100 दिनों का लक्ष्य दिया गया है। दर्शनीय स्वच्छता, कचरा पृथक्कीकरण एवं परिवहन, ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण, सफाई तक पहुंच, उपयोगित जल प्रबंधन, सैप्टिक टैंक सफाई का

मशीनीकरण, स्वच्छता जागरूकता और नागरिक प्रतिक्रिया एवं शिकायत निवारण - इन 8 बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इसके आधार पर स्वच्छ शहर जोड़ी के मेंटर और मेंटी शहर के प्रदर्शन के औसत के आधार पर आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में दोनों का आंकलन किया जाएगा।

महापौर मीनल चौबे ने इस पहल के बारे में कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ शहरों के निर्माण में ऐसे अभियान निश्चित ही जनभागीदारी को नई दिशा प्रदान करेंगे। इस अवसर पर रायपुर नगर निगम के कार्यपालन अभियंता व स्वच्छ भारत अभियान के नोडल अधिकारी रघुमणि प्रधान, सहायक नोडल अधिकारी व सहायक अभियंता योगेश कडु और बीरगांव के कार्यपालन अभियंता व स्वच्छ भारत अभियान के नोडल अधिकारी धन्नूलाल देवांगन भी उपस्थित रहे।

'स्वच्छमेव जयते' और 'मैं नहीं, हम' के ध्येय से कार्य करें स्वच्छ शहर जोड़ी केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से पूरे देश से स्वच्छता का जो आव्हान किया था। अब हमें 'कर्म हमारा स्वच्छता हो, धर्म हमारा स्वच्छता हो' के ध्येय से आगे बढ़ना है, बढ़ते हुए 'स्वच्छमेव जयते' के नारे को साकार करना है। 'स्वच्छ शहर जोड़ी' पहल का उद्देश्य 'मैं नहीं, हम' की भावना है। हर शहर स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए सिर्फ अपनी ही सोचता था लेकिन अब श्रेष्ठ शहर अपनी जोड़ी के बारे में भी सोचेगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में यह पहल 'अंत्योदय' और सहकारिता के ध्येय को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। उन्होंने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर इस पहल की शुरुआत होने पर कहा कि 'अतिथि देवो भव:', इसलिए हमें अपने अतिथियों का स्वच्छता से स्वागत करना चाहिए।

महात्मा गांधी जी ने गुलामी से आजादी का मंत्र दिया था और मोदी जी ने हमें 'स्वच्छता हमारा लक्ष्य, गंदगी से आजाद करो' का मंत्र दिया है। देश के 200 शहरों के साथ इस अभियान में शामिल हुआ रायपुर इस पहल के अंतर्गत देश भर के 200 शहरों के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक साथ एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें नगर निगम रायपुर भी नगर निगम बीरगांव के साथ शामिल रहा। इस अवसर पर केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के 'स्वच्छोत्सव-2025' गीत भी ऑनलाइन रिलीज किया गया। इसके गीतकार शैलेन्द्र सिंह सोढ़ी और संगीतकार अमित त्रिवेदी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

ब्रह्माकुमारी संस्थान के सदस्यों ने शान्ति शिखर में मनाया नये वर्ष का उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सदस्यों ने नए वर्ष का उत्सव अपने नवा रायपुर स्थित एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड -शान्ति शिखर के खूबसूरत ऑडिटोरियम में मनाया। इस सर्व सुविधायुक्त ऑडिटोरियम में पन्द्रह सौ लोगों के कुर्सियों पर बैठने की क्षमता है।

इस अवसर पर रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने सभी को माउण्ट आबू से प्राप्त मुख्य प्रशासिका दादी रतन मोहिनी का पत्र पढ़कर सुनाया। इस पत्र में दादी ने सभी को गुणों व विशेषताओं का सहयोग देने, पुरूषार्थ में तीव्रता लाने, लोगों की दुआएं प्राप्त कर पुण्य जमा करने और परमात्मा की याद रूपी छत्रछाया में स्वयं को सुरक्षित रखने की प्रेरणा दी गई।

इसके अलावा ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने सभी में उमंग उत्साह भरते हुए पुराने वर्ष की बिदाई के साथ ही अपने पुराने और अप्रिय स्वभाव, संस्कारों को बिदाई देने का दृढ़ संकल्प कराया। समारोह में संयुक्त जिलाधीश उज्जवल पोरवाल (आईएएस) भी उपस्थित थे। उन्होंने उपस्थित लोगों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से अपने जीवन को सुख और शान्तिमय बनाने का आग्रह किया। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि शान्ति शिखर भवन अशान्त लोगों को शान्ति की राह दिखाएगा। समारोह में स्थानीय कलाकार कु. शारदा नाथ ने अपनी मधुर आवाज में नये वर्ष का स्वागत गीत प्रस्तुत किया। पश्चात ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़े हुए रायपुर के बाल कलाकारों ने विभिन्न गीतों पर शानदान नृत्य प्रस्तुत कर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया।

कमिश्नर कांवरे ने शासकीय विद्यालयों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर संभाग के कमिश्नर महादेव कावरे द्वारा आज महासमुंद जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलसोंडा एवं सेजेस तुमाडबरी नयापारा का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर महासमुंद विनय कुमार लंगेह, सीईओ जिला पंचायत हेमंत नंदनवार, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, डीएमसी रेखराज शर्मा, बीईओ लीलाधर सिन्हा, बीआरसीसी जागेश्वर सिन्हा, सहित अन्य अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित थे। कमिश्नर कावरे ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलसोंडा में प्रत्येक कक्षा में जाकर त्रैमासिक परीक्षा का निरीक्षण किया एवं प्रश्न पत्र देखकर विद्यार्थियों से नक्शा एवं भूगोल संबंधी प्रश्न पूछे। अटल टिंकरिंग लैब में तीन बालिकाओं की उपलब्धियों की सराहना की तथा चेन्नई गई छात्रा से विज्ञान विषय पर जानकारी प्राप्त की।

बच्चों ने छत्तीसगढ़ी खोयला (खुला) एवं आचार तिवरा भाजी, आम खुला, कोचाई, कटहल, आंवला, नींबू के आचार के बारे में रोचक जानकारी दी। उन्होंने बच्चों से उनके लक्ष्यों एवं प्रेरणा के बारे में बातचीत की। छात्रा मेघना चन्द्राकर ने एसपी बनने की इच्छा जताई, अन्य छात्रों ने कलेक्टर व डॉक्टर बनने का लक्ष्य बताया। परिसर में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत पारिजात का पौधा रोपण किया गया। सेजेस तुमाडबरी नयापारा निरीक्षण के दौरान

कक्षा पहली के बच्चों से आत्मीय भाव से मिलते हुए उनसे अंग्रेजी में अपना नाम, माता-पिता का नाम लिखने को कहा। बच्चों ने उत्साह के साथ ग्रीन बोर्ड में नाम लिखे। कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के लिए अंग्रेजी में ली गई शपथ की सराहना की। लाइब्रेरी में द्विभाषी पुस्तक पढ़ते बच्चों से संवाद किया। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों से म्डबद की थ्योरी एवं अग्नाशय का कार्य संबंधी प्रश्न पूछे, जिनका बच्चों ने सही उत्तर दिया।

कमिश्नर ने प्रार्थना सभा में रघुपति राघव राजा राम, राष्ट्रगान, राज्य गीत, मुख्य समाचार एवं आज का सुविचार जैसी गतिविधियों को देखा जिससे वे प्रभावित हुए। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि स्वयं दीपक बनो, अपने अंधेरों को स्वयं दूर करो। परिश्रम ही सफलता का मूल मंत्र है, अपने सपनों को अवश्य पूरा करो। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर लंगेह ने बच्चों को अधिक अंक प्राप्त करने हेतु उत्तर लेखन की तकनीक बताई। उन्होंने कहा कि विषय की गहन समझ, प्रश्न की स्पष्टता एवं उत्तर को भागों में विभाजित कर लिखना बेहतर होता है। इस अवसर पर प्राचार्य बेलसोंडा शोभा सिंहदेव, प्राचार्य सेजेस अमी रूफस, व्याख्याता जगदीश सिन्हा, प्रमोद कन्नौजे, विकास यादव एवं संपूर्ण विद्यालय स्टाफ मौजूद थे।

कमिश्नर कावरे ने एग्रीस्टेक पंजीयन की जानकारी ली

संभागायुक्त महादेव कावरे द्वारा आज पिटियाझर समिति में एग्रीस्टेक एवं किसान पंजीयन संबंधी कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, नोडल अधिकारी अविनाश शर्मा, शाखा प्रबंधक सहित समस्त समिति के कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही समिति से जुड़े अनेक कृषकगण भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर द्वारा एग्रीस्टेक प्रणाली एवं किसान पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी ली गई तथा कार्यों की प्रगति एवं व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने यहां उपस्थित कृषकों से भी उनकी समस्याओं एवं सुझावों के संबंध में चर्चा की। जिससे आगामी कार्यों में और अधिक पारदर्शिता एवं सुगमता लाई जा सके। उन्होंने किसानों को समझाईश दी कि किसानों के पंजीयन के लिए यह प्रक्रिया आवश्यक है, इसलिए शेष किसान साथी अतिशीघ्र पंजीयन कर लें। नोडल अधिकारी अविनाश शर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष एक लाख 53 हजार 165 किसानों ने धान विक्रय किया था। अभी तक एग्रीस्टेक पोर्टल में एक लाख 43 हजार 382 किसानों ने पंजीयन किया है। शेष 9 हजार 783 किसान पंजीयन कर रहे हैं। जिसके लिए किसानों को समझाईश दी जा रही है।

पंचमी उत्सव : बाबा दरबार धनोरा पहुंचे दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, लिया मां का आर्शीवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में शनिवार को पंचमी पर्व मनाया गया। यहां सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने माता रानी की विधि-विधान से पूजा पाठ करके खीर पुड़ी एवं चना की सब्जी का भोग लगाया गया।

रात्रि 8 बजे नंद पंडा भोलू, मनोज पटेल द्वारा माता रानी की विशेष सिंगार कर आरती किया गया। माताराती की आरती में सभी माताएं और बहनें अपने-अपने घरों से आरती की थाल सजाकर लाकर 108 दीपक से माता रानी की आरती किया गया। इसके बाद प्रसाद लेकर अपने-अपने घरों को रवाना हुए। बाबा दरबार में इस बार विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चन्द्राकार का भी ज्योति प्रज्वलित हुआ है। विधायक ललित चंद्राकर ने ज्योति कलश दर्शन किए उनके साथ ग्राम सरपंच श्रीमती रूलेशवरी बंजारे, चन्द्रशेखर बंजारे, वासुदेव स्प्रे, पूर्व उपसरपंच वार्ड नं 1 के पंच श्रीमती ममता साहू उपस्थित थे। दरबार के लक्ष्मण बाबा, नंद पंडा विनोद साहू, गुलाब साहू, भोलू साहू, खिलेशवर साहू, श्रीमती बबिता साहू, लक्ष्मी साहू, कौशिल्या सेन, रुखमणि साहू, पार्वती मंडलिन, प्रभा साहू, देवश्री, अंजु देवांगन, कु. पुजा साहू, कु. सुरूचि, कु. नेहा साहू, कु. वेदू साहू, सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे। यह जानकारी दरबार प्रतिनिधि चंन्द्रकांत कोसरे और कुंज लाल साहू जी ने दी।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने 435 करोड़ मूल्य की 2230 संपत्तियों की हुई रिकॉर्ड बिक्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल मुख्यालय में मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त अवनीश कुमार शरण सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं संपदा अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में विगत छह माह के दौरान मंडल द्वारा 435 करोड़ रुपये मूल्य की 2230 संपत्तियों की रिकॉर्ड बिक्री के प्रयासों की सराहना की गई। अध्यक्ष ने अधिकारियों को बधाई देते हुए शेष संपत्तियों का विक्रय दिसंबर 2025 तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य रूप से आवासीय गतिविधियों, निर्माण कार्यों, रिफॉर्म्स तथा अविक्रीत संपत्तियों की बिक्री की समीक्षा की गई।

श्री सिंह देव ने मंडल की प्रमुख आवासीय योजनाओं में आरएमसी (रेडी मिक्स कंक्रीट) के उपयोग हेतु बैचिंग प्लांट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए कहा कि फील्ड स्तर पर उप अभियंता और सहायक अभियंता की अनिवार्य उपस्थिति रहे। साथ ही उप अभियंता से लेकर अपर आयुक्त स्तर तक अधिकारियों की जवाबदेही तय करने पर जोर दिया। निर्माण क्षेत्र में नई तकनीक और गाइडलाइन की जानकारी देने के लिए आगामी सप्ताह में अभियंताओं का प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा कॉलोनियों में स्कूल बस स्टॉप, कम्युनिटी हॉल का आउटसोर्सिंग प्रबंधन, बॉक्स क्रिकेट, ओपन जिम, ओपन स्पेस का बेहतर उपयोग, बड़ी कॉलोनियों में ओपन एयर थिएटर और आधुनिक सुविधाओं को शामिल करने की दिशा में भी निर्णय लिया गया। तकनीकी शाखा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए अध्यक्ष ने वर्क प्रोटोकॉल संबंधी आदेश शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने तथा मानक संचालन प्रक्रिया जल्द तैयार कर लागू करने के आदेश भी दिए।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

पारंपरिक साड़ी में राशि खन्ना का ग्लैमर अंदाज, सोशल मीडिया पर पोस्ट की तस्वीरें

साउथ सिनेमा की स्टार और बालीवुड में भी अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री राशि खन्ना ने सोशल मीडिया पर अपनी ताजा तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह पारंपरिक साड़ी में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई इन तस्वीरों में उन्होंने सादगी और भारतीय परिधान की खूबसूरती से सबका ध्यान खींचा है। राशि ने खूबसूरत साड़ी पहनी है, जिसका चौड़ा गोल्डन बार्डर उनके लुक को और निखार रहा है। इस साड़ी के साथ उन्होंने गहरे गुलाबी रंग का ब्लाउज चुना, जिस पर गोल्डन लाइन और बाजुओं पर बारीक कढ़ाई की गई है। उनके गहनों की बात करें तो उन्होंने गले में नाजुक नेकलेस, कानों में चमकदार झुमके और हाथों में गोल्डन कंगन पहने हैं, जो उनके लुक को और भी शाही बना रहे हैं। मिनिमल मेकअप के साथ राशि ने सादगी भरा जूड़ा बनाया, जिसमें साइड में सफेद फूलों की गजरा उनकी सुंदरता को चार चांद लगा रही है।

राशि ने इन तस्वीरों के साथ एक खूबसूरत कैप्शन लिखा, साड़ी की नजाकत, दिल की मुस्कान...कहना ही क्या। तस्वीरों में राशि अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में वह दोनों हाथ पकड़कर कैमरे की ओर देखते हुए मुस्कुरा रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह दीवार के सहारे एक हाथ से दूसरा हाथ पकड़कर खूबसूरत पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह दीवार के पास अपनी कलाई को नरमी से पकड़कर लाजवाब अंदाज में नजर आ रही हैं। बाकी तस्वीरों में भी वह तरह-तरह के पोज में अपनी खूबसूरती बिखेर रही हैं।

राशि की इन तस्वीरों को देखकर प्रशंसक उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। सोशल मीडिया पर उनके इस पारंपरिक अवतार को खूब पसंद किया जा रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो राशि के कई प्रोजेक्ट रिलीज होने जा रहे हैं। अभिनेत्री जल्द ही पवन कल्याण के साथ फिल्म उस्ताद भगत सिंह में दिखाई देगी। इस फिल्म का निर्देशन हरीश शंकर ने किया है। इसके अलावा राशि को फरहान अख्तर के साथ 120 बहादुर में भी लीड रोल प्ले करते हुए देखा जाएगा।

विद्या बालन ने साझा किया ट्रेडिशनल लुक, साड़ी में बिखेरा जलवा

शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व शुरू हो चुका है और इस खास मौके पर बालीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपने अनूठे अंदाज से प्रशंसकों का दिल जीत रही हैं। नवरात्रि के पहले दिन से ही विद्या अपने खूबसूरत और पारंपरिक लुक को सोशल मीडिया पर साझा कर रही हैं।

विद्या ने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद आकर्षक और सौम्य अंदाज में नजर आ रही हैं। उन्होंने एश ग्रे रंग की चंदेरी साड़ी पहनी। इस साड़ी पर सुनहरे रंग की बारीक डिजाइन और मैचिंग बार्डर इसे और भी खास बनाते हैं। विद्या ने इस साड़ी के साथ गहरे हरे रंग का ब्लाउज पेयर किया, जो उनके लुक को और निखार रहा है। मिनिमल मेकअप के साथ विद्या ने माथे पर छोटी-सी हरी बिंदी, कानों में बड़े-बड़े झुमके और पोनी स्टाइल में चोटी बांधी है, जिसने उनके लुक को ट्रेडिशनल टच दिया। उनकी तस्वीरें देखकर प्रशंसक उनकी सादगी और शालीनता की तारीफ कर रहे हैं।

तस्वीरों में विद्या का अंदाज भी देखने लायक है। पहली तस्वीर में वह दीवार के बार्डर को पकड़कर दूसरी ओर देखते हुए पोज दे रही हैं, जो उनकी सहजता को दर्शाता है। दूसरी तस्वीर में भी वह उसी अंदाज में उल्टी दिशा में देखकर मुस्कुराती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को उन्होंने कैप्शन दिया, नवरात्रि का छठा दिन। विद्या के इस लुक को देख प्रशंसकों ने कमेंट्स में उनकी खूबसूरती और पारंपरिक अंदाज की जमकर तारीफ की। विद्या नवरात्रि के हर दिन अपने लुक से कुछ पेश कर रही हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा गया था। इसी साल एक्ट्रेस की सुपरहिट फिल्म परिणीति को सिनेमाघरों में री-रिलीज भी किया गया। इसके बाद वह अपनी आगामी फिल्म कहानी 3 में दिखाई दे सकती हैं, हालांकि इसकी रिलीज की तारीख अभी तय नहीं हुई है। फिलहाल एक्ट्रेस फिल्मों से दूर सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट्स देती हैं।

फोर्स-3 में जॉन अब्राहम के साथ शामिल हुईं मीनाक्षी चौधरी; फिल्मांकन नवंबर में शुरू होगा

जॉन अब्राहम फोर्स फ्रैंचाइजी को फिर से बनाने के लिए तैयार हैं, और उन्होंने इस प्रोजेक्ट का रचनात्मक नेतृत्व करने के लिए भाव धूलिया को निर्देशक के रूप में चुना है। हमने अपने पाठकों को यह भी बताया था कि फोर्स 3 एक नई फ्रैंचाइजी की शुरुआत होगी, क्योंकि जॉन एक्शन और दमदार कंटेंट का संगम चाहते हैं। और अब, पिंकविला को एक्सक्लूसिव जानकारी मिली है कि जॉन अब्राहम और भाव धूलिया ने फोर्स 3 की मुख्य अभिनेत्री को फाइनल कर लिया है।

इस मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मीनाक्षी चौधरी, जिन्हें 'गोट', 'गुंटूर करम', 'हिट 2', 'लकी बसखार' और 'संक्रांति वस्तुनम' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है, फोर्स 3 के साथ हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कई नामों के ऑडिशन के बाद, जॉन अब्राहम और भाव धूलिया ने फोर्स 3 की मुख्य अभिनेत्री के रूप में मीनाक्षी चौधरी को फाइनल कर लिया है। जॉन की तरह, मीनाक्षी भी फिल्म में एक एक्शन से भरपूर भूमिका में होंगी। अपनी भूमिका की तैयारी के लिए, वह अगले कुछ महीनों में कई एक्शन वर्कशॉप में भाग लेंगी, मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया। सुनने में आ रहा है कि फोर्स 3 नवंबर 2025 में फ्लोर पर आएगी। सूत्र ने आगे बताया, फोर्स 3 का प्री-प्रोडक्शन जोर-शोर से चल रहा है और रोहित शेट्टी के साथ राकेश मारिया बायोपिक की शूटिंग पूरी करने के तुरंत बाद जॉन फोर्स 3 की दुनिया में उतर रहे हैं। इस कॉप-थ्रिलर की शूटिंग अक्टूबर के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है और इसे 2026 की पहली छमाही में रिलीज किया जाएगा।

ओजी में मैंने जो कनमनी की भूमिका निभाई है, हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगी: प्रियंका अरुल मोहन

डीवीवी दानय्या और कल्याण दसारी द्वारा डीवीवी एंटरटेनमेंट के बैनर तले भव्य पैमाने पर निर्मित पावर स्टार पवन कल्याण फिल्म ओजी का निर्देशन सुजीत ने किया है। ओजी में पवन कल्याण एक दमदार भूमिका में हैं और प्रियंका अरुल मोहन मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में हैं। 25 सितंबर को दुनिया भर में इसकी रिलीज़ के साथ, उम्मीदें आसमान छू रही हैं। इसी संदर्भ में, प्रियंका अरुल मोहन ने मीडिया से बात की और फिल्म के बारे में कई रोचक जानकारियाँ साझा कीं।

ओजी के साथ मेरा सफ़र लगभग ढाई साल का रहा है। मैं इस अनुभव को कभी नहीं भूल पाऊँगा। पवन कल्याण के साथ अभिनय करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इस फ़िल्म में कनमनी का किरदार निभाना और भी ज़्यादा सौभाग्यशाली लगता है। अब तक मैंने जितने भी रोल किए हैं, उनमें से कनमनी मेरी पसंदीदा भूमिकाओं में से एक है। इस किरदार के लिए मेरे दिल में हमेशा एक ख़ास जगह रहेगी। पवन कल्याण के साथ काम करना हर दिन एक आशीर्वाद की तरह है। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। वह एक सज्जन व्यक्ति हैं और सभी के साथ समान व्यवहार करते हैं। आन-स्क्रीन और आफ-स्क्रीन, वह एक असली हीरो हैं।

फिल्म की घोषणा के बाद, निर्देशक ने मुझे इसकी कहानी सुनाई। मुझे यह तुरंत पसंद आई और मैंने इसमें काम करने के लिए हामी भर दी। मुझे कनमनी का किरदार भी बहुत पसंद आया। इसके अलावा, यह पवन कल्याण की फिल्म है, जिसका निर्देशन सुजीत ने किया है और निर्माण डीवीवी एंटरटेनमेंट ने किया है। इस फिल्म के लिए हाँ कहने के लिए इससे ज़्यादा और क्या चाहिए?

कहानी 1980-1990 के दशक की है। किरदार का आकार और स्टाइल सब उसी दौर के अनुरूप है। कनमनी एक मासूम और प्यारी लड़की है। वह गंभीरा से बेइंतहा प्यार करती है और उसकी ज़िंदगी बदलने में अहम भूमिका निभाती है।

मैं थमन के साथ पहली बार काम कर रहा हूँ। उन्होंने हर गाने में एक अलग ही ध्वनि डाली। इस फिल्म के लिए उन्होंने जो पहला गाना कंपोज किया था, वह सुवी सुवी था। मैं इसे सुनने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था। रिलीज़ के बाद लोगों को यह गाना इतना पसंद आ रहा है, यह देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

उनकी दीवानगी बेशुमार है। जब मैं बैंगलोर में था, तब भी मुझे इसके बारे में पता था। लेकिन उनके साथ काम करके मुझे एहसास हुआ कि उनकी लोकप्रियता मेरी कल्पना से भी कहीं ज़्यादा है। इतनी शोहरत के बावजूद, वे ज़मीन से जुड़े हुए हैं। वे ज़मीन से जुड़े हुए इंसान हैं और बहुत ही सरल हैं।

ज़्यादातर किताबों के बारे में। वह पढ़ी हुई कहानियों और उपन्यासों के बारे में बात करते थे। वह इतिहास, कभी-कभी फिल्मों और राजनीति पर भी चर्चा करते थे। सबसे बढ़कर, वह लोगों के बारे में खूब बातें करते थे।

किसी भी सीन की शूटिंग से पहले, वह निर्देशक और अभिनेताओं के साथ उस पर चर्चा करते हैं। वह फिल्म के लिए मददगार व्यावहारिक सुझाव देते हैं। एक अभिनेता के तौर पर, वह अपने किरदार को बेहद सहज बना देते हैं। उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है।

घर जैसा एहसास। मैं खुशकिस्मत हूँ कि मुझे इस बैनर के साथ दो फ़िल्में करने का मौका मिला। सच कहूँ तो, ओजी पहली फ़िल्म थी जिसके लिए मैंने हामी भरी थी, हालाँकि सारिपोडा शनिवरम उससे पहले रिलीज़ हुई थी। निर्माता, दानय्या सर और कल्याण सर, बहुत अच्छे लोग हैं, और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूँ। मैं तेलुगु में कुछ कहानियाँ सुन रही हूँ, और मैं अन्य भाषाओं की फिल्मों पर भी काम कर रही हूँ।

श्रद्धा कपूर करियर में पहली बार निभाएंगी इतना चुनौतीपूर्ण किरदार, छावा वाले लगा रहे बड़ा दांव

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर पिछली बर फिल्म स्त्री 2 में नजर आई थीं और उनकी इस फिल्म ने बाक्स आफिस पर एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाए थे। अब श्रद्धा बड़ी सूझ-बूझ से आगे बढ़ रही हैं और बड़े पर्दे पर फिर धमाल मचाने वाली हैं। दरअसल, श्रद्धा पर पैसे लगाने वाले हैं छावा बनाने वाले निर्माता दिनेश विजान, जिनकी फिल्म स्त्री 2 और स्त्री में पहले ही श्रद्धा अपन मौजूदगी से दिल जीत चुकी हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा इस फिल्म में महाराष्ट्र की एक मशहूर लावणी नृत्यांगना का किरदार निभाने वाली हैं। खास बात ये है कि इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ही कर रहे हैं, जिन्होंने छावा के निर्देशन की कमान संभाली थी और उनकी इस फिल्म ने बाक्स आफिस पर इतिहास रच दिया था। श्रद्धा महाराष्ट्र के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण किरदारों में से एक को निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार और उत्साहित हैं।

चर्चा है कि ये फिल्म एक मशहूर मराठी उपन्यास पर आधारित है। श्रद्धा ने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन कहा जा रहा है कि ये उनकी अब तक की सबसे चुनोतीपूर्ण भूमिका होगी, जो उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है। खुद श्रद्धा भी इसके लिए कमर कस चुकी हैं। छावाके बाद ये लक्ष्मण की दूसरी फिल्म है, जो मराठा संस्कृति का बड़े स्तर पर जश्न मनाती है।

इस फिल्म की शूटिंग नवबंर, 2025 में शुरू होगी और साल 2026 के अंत तक यह सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म में न सिर्फ बालीवुड, बल्कि मराठी सिनेमा के भी कई नामचीन चेहरे देखने को मिलेंगे। श्रद्धा फिल्म में एक नृत्यांगना की भूमिका के साथ इंसाफ करने के लिए कई डांस वर्कशाप में शामिल होने वाली हैं। श्रद्धा की ये भले ही लक्ष्मण के साथ पहली फिल्म हो, लेकिन दिनेश विजान के साथ उनकी पहले से ही काफी अच्छी दोस्ती है।

श्रद्धा तुम्बाड के निर्देशक राही अनिल बर्वे की अगली फिल्म में नजर आएंगी, जिसकी निर्माता एकता कपूर हैं। ये एक अनोखी फिल्म है, जिसकी कहानी से श्रद्धा बेहद प्रभावित हैं। उधर निर्देशक मोहित सूरी से भी एक लव स्टोरी वाली फिल्म को लेकर श्रद्धा की बातचीत जारी है। खास बात ये है कि इसमें उनकी जोड़ी एक बार फिर आदित्य राय कपूर के साथ बन सकती है। इसके अलावा स्त्री 3 और नागिन जैसी फिल्में भी श्रद्धा के पास हैं।

मेकअप फिक्सर खरीदते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

मेकअप फिक्सर आपके मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करता है। यह चेहरे पर लगे मेकअप को पसीने, नमी और अन्य बाहरी कारकों से बचाता है, जिससे आपका मेकअप पूरे दिन सही दिखता है। इसलिए सही मेकअप फिक्सर का चयन करना महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं कि मेकअप फिक्सर खरीदते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आपको सही विकल्प मिल सके और आपका मेकअप भी बेहतरीन दिखे।

त्वचा के प्रकार का ध्यान रखें

मेकअप फिक्सर खरीदते समय सबसे पहले अपनी त्वचा के प्रकार पर ध्यान दें। अगर आपकी त्वचा सूखी है तो नमी देने वाले तत्वों वाला फिक्सर चुनें, जो आपकी त्वचा को नमी प्रदान करे। तैलीय त्वचा वालों के लिए ऐसा फिक्सर चुनें जो तेल को नियंत्रित करे और मेकअप को सही बनाए रखे। संवेदनशील त्वचा वालों के लिए ऐसा फिक्सर अच्छा रहेगा जिसमें किसी प्रकार का एस्सेन्स न हो।

फार्मूला जानें

मेकअप फिक्सर के फार्मूला पर ध्यान देना भी जरूरी है। कुछ फिक्सर्स में शराब होती है, जो त्वचा को सूखा सकती है और जलन पैदा कर सकती है, खासकर संवेदनशील त्वचा वालों के लिए इसलिए ऐसे फिक्सर से बचें। इसके बजाय ऐसे फिक्सर चुनें, जिनमें नमी देने वाले और प्राकृतिक तत्व हों। ये त्वचा को नमी प्रदान करते हैं और मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखते हैं, बिना किसी नुकसान के।

स्प्रे या लोशन चुनें

मेकअप फिक्सर स्प्रे या लोशन दोनों रूप में आते हैं। स्प्रे फिक्सर आसानी से उपयोग किया जा सकता है और पूरे चेहरे पर समान रूप से फैलता है, जबकि लोशन को हाथों से

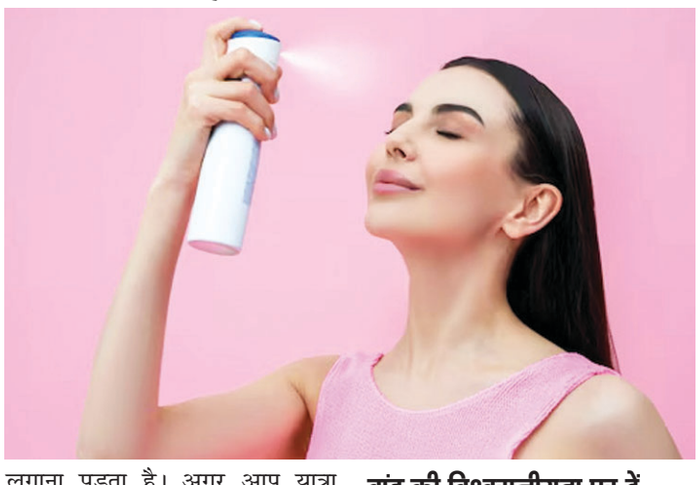

लगाना पड़ता है। अगर आप यात्रा करते रहते हैं या जल्दी में होते हैं तो स्प्रे फिक्सर आपके लिए बेहतर रहेगा, वहीं घर पर इस्तेमाल के लिए लोशन फिक्सर अच्छा विकल्प हो सकता है, जिससे आप अपने चेहरे को अच्छे से सेट कर सकें।

ब्रांड की विश्वसनीयता पर दें ध्यान

भरोसेमंद ब्रांड द्वारा बनाए गए मेकअप फिक्सर अधिक गुणवत्ता वाले होते हैं और उनकी गुणवत्ता पर भरोसा किया जा सकता है। लोकल ब्रांड्स कभी-कभी घटिया सामग्री का उपयोग करते हैं, जिससे त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए हमेशा अच्छे नामी ब्रांड्स का चयन करें जो अपने उत्पादों में उच्च मानक बनाए रखते हों। इसके अलावा नामी ब्रांड्स के फिक्सर्स में प्राकृतिक तत्वों का उपयोग किया जाता है, जो त्वचा को नमी प्रदान करते हैं।

कीमत पर दें ध्यान

मेकअप फिक्सर की कीमत भी अहम होती है, लेकिन महंगा हमेशा बेहतर नहीं होता इसलिए अपनी जरूरत अनुसार सही विकल्प चुनें। सस्ते और महंगे दोनों प्रकार के फिक्सर्स बाजार में उपलब्ध होते हैं, लेकिन गुणवत्ता अहम होती है। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपने लिए सही मेकअप फिक्सर चुन सकते हैं, जो आपकी त्वचा को नमी प्रदान करे, मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखे और जलन रहित हो।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पांच करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

सरकार गांवों और शहरों के संतुलित विकास पर दे रही जोरः अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित ''आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, शहर समागम'' एवं 'स्वच्छता संवाद' कार्यक्रम में आज उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी के कबीर भवन में अतिरिक्त सुविधाओं के विस्तार कार्य का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया। उन्होंने इसके साथ ही लोरमी में पांच करोड़ 23 लाख रुपए के तीन नए कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इनमें नगर उद्यान निर्माण, बाबाधाम मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण तथा ब्राह्मणपारा मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से शहर की सुंदरता बढ़ेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप लोरमी क्षेत्र का व्यवस्थित विकास करना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए लोरमी को एक स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने में सहयोग करें, ताकि स्वच्छता के मामले में लोरमी प्रदेश में शीर्ष स्थान पर पहुँच सके।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। बीते 20 महीनों में करोड़ों रुपए के विकास कार्य पूरे हो चुके हैं। आने वाले समय में भी करोड़ों रुपए की योजनाएं धरातल पर उतरेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों और शहरों के संतुलित विकास पर जोर दे रही है।

लोरमी नगर को सुविधाओं से परिपूर्ण बनाने तथा स्वच्छ और सुंदर शहर का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध है। कार्यक्रम में प्रबुद्धजनों एवं नागरिकों ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में स्थानीय सहभागिता की भूमिका पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि समाज के हर वर्ग को अपनी भागीदारी निभाते हुए समग्र विकास में सहयोग देना होगा। नगरवासियों ने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, जन-जागरूकता फैलाने तथा सामूहिक प्रयासों से लोरमी को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया। पूर्व विधायक भूपेंद्र सिंह ठाकुर, लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष सुजीत वर्मा और जनपद पंचायत की अध्यक्ष वर्षा सिंह सहित पार्षदगण, अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

राजनांदगांव जिला राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा देशभर में आयोजित जन भागीदारी से जल संचय राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में राजनांदगांव जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष जिलों में स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए जिले को 2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। राजनांदगांव जिले की यह सफलता जिलेवासियों, सामुदायिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, उद्यमियों और प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सैकड़ों संरचनाओं का निर्माण किया गया और ग्रामीण स्तर पर जल संचय के विभिन्न अभियानों का संचालन किया गया।

इस अभियान में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। पद्मश्री फूलबासन यादव एवं उनके समूह द्वारा नीर एवं नारी जल यात्रा आयोजित कर समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का सराहनीय प्रयास किया गया, जिसके चलते यह अभियान जन-आंदोलन का रूप ले लिया। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में संरचनाओं, नवाचार, जन-जागरूकता और स्थायित्व को मुख्य मानदंड बनाया गया।

राजनांदगांव जिले की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि जन-भागीदारी से ही स्थायी जल समाधान संभव है।

उप मुख्यमंत्री साव की अगुवाई में महामाया मंदिर से अस्पताल तक सफाई

सेवा पखवाड़ा में शहरवासियों ने लिया स्वच्छता का संकल्प, घर की तरह शहर को भी रखें साफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव की अगुवाई में सेवा पखवाड़ा के तहत लोरमी नगर पालिका में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान चलाकर सफाई की गई। इस दौरान लोरमी के महामाया मंदिर से लेकर 50 बिस्तर अस्पताल तक सफाई अभियान चलाया गया।

उप मुख्यमंत्री साव के साथ मुंगेली के कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, जिला पंचायत के सीईओ प्रभाकर पाण्डेय और नगर पालिका के अध्यक्ष सुजीत वर्मा सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी श्रमदान किया।

उप मुख्यमंत्री साव ने श्रमदान के बाद कहा कि हमारे स्वभाव व संस्कार में स्वच्छता का हमेशा स्थान रहा है। इस अभियान से सभी लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। सभी संगठनों के एक-एक व्यक्ति द्वारा मेरा लोरमी, मेरा अभिमान की भावना से शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। लोरमी स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बने, ऐसा एक-एक व्यक्ति का संकल्प हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में हमारी सरकार बनने के बाद जो भावना आई है, उससे बच्चे भी स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए हैं। हमें शहर को अपना घर मानकर चलना पड़ेगा। घर की ही तरह शहर को भी साफ रखेंगे तो हमारा लोरमी स्वच्छ और सुंदर हो जाएगा। श्री साव ने लोरमीवासियों को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में समयबद्धता व उत्साह के साथ भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने श्रमदान के बाद लोगों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने, गंदगी नहीं करने तथा दूसरों को भी गंदगी करने से रोकने की शपथ दिलाई।

युक्तियुक्तकरण की पहल से बड़ादमाली प्राथमिक शाला में बच्चों की पढ़ाई में आई नई ऊर्जा, अभिभावकों ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए शिक्षक युक्तियुक्तकरण अभियान का असर अब गांव-गांव के स्कूलों में दिख रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले की प्राथमिक शाला बड़ादमाली में युक्तियुक्तकरण के तहत श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव को पदस्थ किया गया है। उनके आने से विद्यालय में अब कुल तीन शिक्षक जिसमें एक प्रधानपाठक और दो सहायक शिक्षक कार्यरत हैं। विद्यालय में लगभग 80 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिन्हें अब नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है।

कभी बड़ादमाली प्राथमिक शाला में शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। बच्चों की संख्या के अनुपात शिक्षक को कई कक्षाओं का भार संभालना पड़ता था।

परिणामस्वरूप बच्चों की शिक्षा में निरंतरता और गुणवत्ता दोनों प्रभावित हो रही थीं। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया ने इस समस्या को दूर किया है।

विद्यालय में नए शिक्षक की पदस्थापना से बच्चों और उनके अभिभावकों में उत्साह है। अब प्रत्येक कक्षा में समय पर पढ़ाई हो रही है और बच्चों को व्यक्तिगत ध्यान भी मिल पा रहा है। अभिभावकों ने कहा कि तीन शिक्षक होने से बच्चों की पढ़ाई की गति बढ़ेगी और वे परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। प्रधानपाठक और अन्य शिक्षक भी बताते हैं कि अब कार्यभार संतुलित हो हुआ है, कक्षाओं का विभाजन से शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। इससे बच्चों को विषयवार शिक्षा मिला रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर शिक्षक युक्तियुक्तकरण से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और प्रत्येक बच्चे तक समान रूप से शिक्षा का अधिकार मिला है।

मुख्यमंत्री की पहल पर शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़े शाला त्यागी बच्चे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य क्षेत्र के शाला त्यागी बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की मुहिम चलाई जा रही है। इसके तहत मैनपाट विकासखण्ड के कोरता ग्राम पंचायत के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समाज के 5 बच्चों का विद्यालय एवं आश्रम में प्रवेश कराया गया।

इस अभियान अंतर्गत बच्चों को पुस्तकें, स्कूल ड्रेस और अन्य अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई। पहाड़ी कोरवा बसाहट क्षेत्र में भ्रमण के दौरान यह देखा गया कि पहाड़ी कोरवा बच्चे अधिकारियों को देख दूर भागते थे। उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने प्रशासन निरंतर टीम बनाकर सर्वे कर रही है। बच्चों के अभिभावकों को भी समझाइश दी जा रही है । अभिभावक अधिकारियों के समझाइश को मानकर बच्चों को स्कूल भेजने तैयार हो रहे हैं।अध्ययन सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर उत्साह और मुस्कान छा गई। बच्चों ने कहा कि अब वे स्कूल छोड़कर कभी नहीं जाएंगे और नियमित रूप से पढ़ाई करेंगे।

मुहिम अंतर्गत कुमारी राखि को कक्षा चौथी, कु. कुमारी को कक्षा चौथ, कुमारी सुमारी को कक्षा चौथी, कुमारी रवीना को कक्षा चौथी, कुमारी सुमंती को कक्षा चौथी शाला प्रवेश कराया गया।

बच्चों के अभिभावकों को शिक्षा की महत्ता बताते हुए उन्हें प्रेरित किया कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने भविष्य को संवारने की सलाह दी गई।

शाला त्यागी बच्चों का पुनः नामांकन जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के समन्वित प्रयास का हिस्सा है। इसके लिए विकासखण्ड स्तर पर समितियों का गठन कर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह पहल न केवल शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में ठोस कदम है।

ट्रिपल-आईटी नवा रायपुर में डिजिटल उत्पादकता संवर्धन एवं एआई एकीकरण विषय पर प्रशिक्षण

जिम्मेदार प्रशासन को मजबूत करने के लिए डिजिटल प्रोडक्टिविटी पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर स्थित ट्रिपल-आईटी में डिजिटल उत्पादकता संवर्धन एवं एआई एकीकरण विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राज्य सरकार की पहल पर मंत्रालय में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को आईटी एवं एआई की नवीनतम तकनीकों और अनुप्रयोगों का प्रशिक्षण देकर प्रशासनिक कार्यों की गति और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चंपावत, विशिष्ट अतिथि सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत थे, जबकि अध्यक्षता ट्रिपल-आईटी के डायरेक्टर प्रोफेसर डॉ. ओपी व्यास ने की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी अधिकारियों-कर्मचारियों को जिम्मेदार प्रशासन को मजबूत करने के लिए डिजिटल उत्पादकता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई। पहले दिन प्रतिभागियों को MS Word, Google Docs, E&cel और Google Sheets के उन्नत फीचर्स, साथ ही डेटा मॉडलिंग के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया।

सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अविनाश चंपावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कौशल उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है, जिससे व्यक्तित्व और कार्यसंस्कृति दोनों निखरते हैं। उन्होंने एआई-आधारित प्रशिक्षण को कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि में एक मील का पत्थर बताया और प्रतिभागियों से इसका पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया। सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव राहुल भगत ने नागरिक-केंद्रित शासन में तकनीक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकारी कार्यकुशलता बढ़ाने में एआई टूल्स अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली का उदाहरण देते हुए कहा कि तकनीक का प्रभावी उपयोग शासन को अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार बना सकता है। ट्रिपल-आईटी के डायरेक्टर प्रोफेसर डॉ. ओपी व्यास ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि एआई का स्मार्ट उपयोग करने के लिए हमें जागरूक और सतर्क रहना होगा। एआई के व्यवहारिक अनुप्रयोग से शुरुआत कर निरंतर सीखने की आदत हमें एआई से और अधिक फ्रेंडली बनाएगी। उन्होंने कहा कि डेटा की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है, इसलिए हमें संवेदनशील जानकारी एआई को नहीं देनी चाहिए ताकि सार्वजनिक डोमेन में इनका दुरुपयोग न हो सके।

प्रो. के. जी. श्रीनिवास ने भरोसा दिलाया कि यह प्रशिक्षण उच्च गुणवत्ता वाला और परिणामोन्मुखी होगा। इस प्रशिक्षण के प्रथम चरण में सामान्य प्रशासन, गृह एवं अन्य विभागों के 100 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। यह प्रशिक्षण 24 सितंबर से प्रारंभ होकर 25 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है।

प्रशासनिक कार्यों की गति और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रोडक्टिविटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का समुचित उपयोग आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। शासन-प्रशासन को अधिक जवाबदेह और कुशल बनाने में एआई टूल्स और डिजिटल तकनीकें अभूतपूर्व सहायक सिद्ध होंगी। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिकारियों-कर्मचारियों की कार्यक्षमता में गुणात्मक सुधार लाएंगे और नागरिक-केंद्रित शासन को नई मजबूती प्रदान करेंगे। - **मुख्यमंत्री विष्णु देव साय**

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः सोलर पैनलों से मिल रही बड़ी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः सोलर पैनलों से मिल रही बड़ी राहतपीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से छत्तीसगढ़ में बिजली उपभक्ताओं को बिजली बिल में बड़ी राहत मिल रही है। सौलर पैनल लगवाने के बाद बिजली बिल या तो शून्य या बहुत कम हो जाता है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण में योगदान मिल रहा है और स्वच्छ ऊर्जा से लोग आत्मनिर्भर बन रहे हैं। योजना के लाभार्थियों ने बताया कि सोलर पैनल लगाने से उन्हें आर्थिक बचत हुई है और कुछ परिवारों ने अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी अर्जित कर रहे हैं।

बिलासपुर शहर के राधिका विहार फेस 2 निवासी क्रांति कुमार शर्मा ने बताया कि एक साल पहले उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत 5 किलोवॉट का सोलर पैनल लगवाया था। पैनल लगने के पहले बिजली बिल लगभग 6 हजार रूपए प्रतिमाह आता था। सोलर पैनल लगवाने के बाद बिजली बिल अब शून्य हो गया है। एक भी रूपए खर्च नहीं करने पड़ रहे है। सोलर पैनल स्थापित करवाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार से उन्हें सब्सिडी भी मिली है। उन्होंने सभी निवेदन किया कि वे इस योजना का लाभ अवश्य उठाएं।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

शादी का प्रलोभन देकर दुष्कर्म आरोपी युवक गिरफ्तार

रायगढ़। महिला थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शादी का प्रलोभन देकर युवती का शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी सनत झारा (23 साल) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी को उसके गांव एकताल से दबिश देकर पकड़ा और न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेजा। पीड़िता, जो पड़ोसी जिले की रहने वाली है और रायगढ़ में काम करती है, ने कल 26 सितंबर को महिला थाना में आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आवेदन के अनुसार, आरोपी सनत झारा उसके साथ कार्यस्थल पर परिचित हुआ और अगस्त 2024 से शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। कई बार मना करने पर भी उसने अलग-अलग जगहों पर जबरन संबंध बनाए और बाद में दूसरी जाति का हवाला देकर शादी से इंकार कर दिया। आरोपी ने 24 सितंबर को रायगढ़ स्थित युवती के किराए के मकान में पहुंचकर पीड़िता से मारपीट भी की।

पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना में अपराध क्रमांक 28/2025 धारा 69, 115(2), 351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद सहायक उप निरीक्षक सरस्वती महापात्रे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को एकताल गांव से गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के दिशा-निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश मरकाम के मार्गदर्शन में की गई। टीम में सहायक उप निरीक्षक सरस्वती महापात्रे, प्रधान आरक्षक राजेश उरांव, संदीप भगत और मालती पैंकरा की विशेष भूमिका रही।

बेटे ने की पिता की हत्या

सूरजपुर। जिले में बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी। आरोपी शराब पीने का आदी था और अक्सर घर आने के बाद विवाद करता था। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना ग्राम पसला की है। शनिवार देर रात शराब के नशे में चूर होकर घर पहुंचे बेटे ने विवाद करना शुरू कर दिया। इस दौरान उसने अपने ही पिता दसरू सिंह की गमछे से गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया है। कोतवाली थाना में मामले की शिकायत दी गई। आरोपी के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

युवक ने किया सुसाइड

बिलासपुर। प्यार में धोखा खाने से आहत एक युवक ने शनिवार शाम सुसाइड नोट लिखकर घर छोड़ दिया और देर रात उसका शव उसलापुर रेलवे ट्रैक पर मिला। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक अग्रसेन चौक स्थित साकेत अपार्टमेंट निवासी गौरव सवन्नी (29) पिछले कई दिनों से तनाव में था। शनिवार शाम उसने सुसाइड नोट लिखा, जिसमें प्यार में धोखा मिलने का जिक्र था। नोट मिलते ही परिजनों ने रिश्तेदारों को फोन किया और जानकारी व्हाट्सएप ग्रुप में भी साझा की। सिविल लाइन पुलिस को भी सूचना दी गई, जिसके बाद तलाश शुरू हुई।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई: चिट्टा तस्करों के गिरोह भांडाफोड़, 7 और आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए दुर्ग पुलिस ने चिट्टा बेचने वाले संगठित तस्कर गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में 7 और आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। इससे पहले इस मामले में 8 आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इस प्रकार, अब तक इस गिरोह के कुल 15 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। पुलिस के अनुसार, ये आरोपी संगठित तरीके से हेरोईन (चिट्टा) की खरीद और बिक्री करते थे। इस गिरोह की आपूर्ति श्रृंखला का संपर्क पंजाब राज्य से भी जुड़ा हुआ पाया गया है। आरोपी आपस में व्हाट्सएप कॉल और ऑनलाइन ट्रांसफर के माध्यम से लेन-देन करते थे।

थाना मोहन नगर में अपराध क्रमांक 460/2025 के तहत धारा 20 और 27, क27 एनडीपीएस एक्ट एवं 111(2) ख बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पतासाजी उनके सकुनत और भिलाई क्षेत्र में कर की गई। इस कार्रवाई में पुलिस ने 5 आरोपीगण के कब्जे से 5 मोबाइल फोन जब्त किए। मोबाइल फोन की जांच में पाया गया कि आरोपी नशा खरीदने और बेचने के दौरान इसे आपसी संचार और लेन-देन के लिए इस्तेमाल कर रहे थे।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम इस प्रकार हैं: हरीष कुमार सोनी, श्रमिक नगर छावनी प्रशांत मशीह, हाउसिंग बोर्ड, थाना जामुल सौरभ शर्मा, भिलाई नगर निहाल राय, सेक्टर 01 भिलाई, थाना भिलाई मटूट्टी अब्दुल ईरफान, हाउसिंग बोर्ड भिलाई, थाना जामुल पी. तुलसा राव, सेक्टर 01 भिलाई, थाना भिलाई भट्ठी अब्दुल समीर, हाउसिंग बोर्ड भिलाई, थाना जामुल पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत और साक्ष्य मिलने के कारण उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक

रिमांड के लिए पेश किया जाएगा।

मामले में थाना मोहन नगर पुलिस और एसीसीयू टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य सप्लाई चेन को ध्वस्त करना और नशा कारोबारियों की पकड़ बढ़ाना है। पुलिस लगातार ऐसे मामलों की जांच कर रही है और जिन अन्य व्यक्तियों की गिरोह से संलिप्त पाई जाएगी, उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा जिले में नशे के कारोबारियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान के तहत मोहन नगर थाना पुलिस और संबंधित टीम लगातार नशा तस्करों पर शिकंजा कस रही है। स्थानीय लोग इस कार्रवाई से बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने पुलिस की तीव्र और सख्त कार्रवाई की सराहना की और कहा कि इससे नशे के कारोबारियों पर अंकुश लगेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन भविष्य में भी संगठित नशा गिरोहों पर कठोर कार्रवाई करता रहेगा।

इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों के बारे में पुलिस का कहना है कि ये आरोपी पहले से संगठित थे और नशा बेचने के उद्देश्य से एक-दूसरे से जुड़े थे। उनके कब्जे से जब्त मोबाइल फोन से यह भी पुष्टि हुई कि लेन-देन और संचार में ये अत्यंत सतर्क थे, ताकि पुलिस की निगरानी से बच सकें। इस कार्रवाई से यह संदेश गया है कि दुर्ग पुलिस न केवल नशा बेचने वालों पर नजर रख रही है, बल्कि सप्लाई चैन को भी ध्वस्त करने में गंभीर है। पुलिस ने यह स्पष्ट किया कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में किसी भी नशे के कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुठभेड़ में घायल महिला नक्सली को जवानों ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। थाना कोयलीबेडा क्षेत्र के बड़गांव-टेकापानी जंगलों में कुछ दिन पहले हुई मुठभेड़ के दौरान घायल हुई महिला नक्सली रेशमा को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार कर लिया है। रेशमा रावघाट एरिया कमेटी से जुड़ी हुई बताई जा रही है। मुठभेड़ के समय वह घायल होकर भाग गई थी, और तब से उसके पकड़ में आने की सूचना सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बनी हुई थी।

जानकारी के अनुसार, 26 सितंबर 2025 को डीआरजी और बीएसएफ की संयुक्त टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि कोयलीबेडा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत केसोकोडी और आलपरस के आसपास रेशमा देखी गई है। इस सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन के दौरान आठखड़ियापारा में संदिग्ध महिला नक्सली रेशमा को पकड़ने में सफलता मिली। पकड़ी गई रेशमा की स्थिति गंभीर होने के कारण सुरक्षा बलों ने उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोयलीबेडा में भर्ती कराया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल कांकेर रेफर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि रेशमा की हालत अब स्थिर है और उसका इलाज जारी है। पुलिस सूत्रों ने बताया

कि रेशमा के पकड़े जाने से इलाके में नक्सली गतिविधियों पर सुरक्षा बलों की सख्ती और सक्रियता का संदेश गया है। इससे स्थानीय लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है और नक्सली नेटवर्क में हड़कंप मचा हुआ है।

इस मामले में डीआरजी और बीएसएफ की संयुक्त टीम की त्वरित और रणनीतिक कार्रवाई को सराहा जा रहा है। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने इलाके की पूरी निगरानी करते हुए और आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर रेशमा के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई। इसके बाद आठखड़ियापारा में उसे पकड़ने में सफलता मिली। पुलिस ने बताया कि रेशमा के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई उपचार पूरा होने के बाद शुरू की जाएगी। इसके अंतर्गत उसके द्वारा किए गए नक्सली गतिविधियों, हथियारों के इस्तेमाल और अन्य आपराधिक कृत्यों की जांच की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि इस गिरफ्तारी से नक्सली नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और भविष्य में इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों की निगरानी और बढ़ा दी जाएगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सुरक्षा बलों की इस कार्रवाई से ग्रामीणों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है और नक्सली गतिविधियों में कमी आने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे ऑपरेशन यह दिखाते हैं कि सुरक्षा बल किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने में कोई समझौता नहीं करते। कांकेर पुलिस और सुरक्षा बलों ने इस अवसर पर जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या सुरक्षा बलों को दें। यह कदम इलाके में नक्सली गतिविधियों को रोकने और नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अहम बताया गया है। इस प्रकार, कोयलीबेडा क्षेत्र से महिला नक्सली रेशमा की गिरफ्तारी न केवल सुरक्षा बलों की सक्रियता का परिचायक है बल्कि इलाके में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए जा रहे लगातार प्रयासों का भी प्रमाण है।

दुबटिया-मझगंवा मार्ग पर युवक का शव मिलने से हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

पेण्ड्रा। इलाके में उस समय सनसनी फैल गई जब दुबटिया-मझगंवा मार्ग पर एक युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान दरमोहली निवासी लक्ष्मण सिंह गोंड के रूप में हुई है। शव देखकर स्थानीय लोग दहशत में आ गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फिलहाल मौत की वजह साफ नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच में संभावना जताई जा रही है कि युवक की मौत सड़क हादसे में हुई होगी। आशंका है कि किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी होगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। वहीं परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यह साधारण सड़क हादसा भी हो सकता है या फिर इसके पीछे कोई और वजह भी हो सकती है। पुलिस ने सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और जांच में सहयोग करें। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि घटना की गुत्थी जल्द ही सुलझा ली जाएगी और यदि इसमें किसी की लापरवाही या साजिश सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगी का खुलासा: तीन युवक म्यूल अकाउंट मामले में गिरफ्तार, लाखों रुपए जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले की सुपेला पुलिस और एसीसीयू टीम ने साइबर ठगी के मामलों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल कर ऑनलाइन ठगी की रकम को अपने खातों में जमा कर रहे थे। पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए इन युवकों को पकड़ा और न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। आरोपियों के बैंक खातों में कुल 6.34 लाख रुपए से अधिक की ठगी की रकम जमा होने की पुष्टि हुई है।

साइबर अपराधों में म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल धोखाधड़ी से प्राप्त रकम को छिपाने और ट्रांजेक्शन करने के लिए किया जाता है। ठग अक्सर भोले-भाले या लालच में आने वाले लोगों से उनका खाता खुलवाकर या उसका प्रयोग कर ऑनलाइन ठगी से प्राप्त रकम अपने कब्जे में कर लेते हैं। यही पैसा बाद में अपराधियों तक पहुंचाया जाता

है। पुलिस की सतर्कता से तीन मामले उजागर पुलिस को 26 सितंबर को समन्वय पोर्टल से म्यूल अकाउंट की जानकारी मिली थी। इसके बाद थाना सुपेला और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने अलग-अलग बैंक खातों की जांच शुरू की। जांच में तीन युवकों के खाते संदिग्ध पाए गए, जिनमें साइबर ठगी से प्राप्त रकम जमा की गई थी।

पहला मामला : 99,794 रुपए पुलिस ने बैंक ऑफ इंडिया शाखा सुपेला के खाता धारक गनेश्वर दास मानिकपुरी (25 वर्ष, निवासी कांट्रेक्टर कॉलोनी सुपेला) को गिरफ्तार किया। उसने अपने खाते में 99,794 रुपए साइबर ठगी से प्राप्त रकम के रूप में जमा किए थे। इस मामले में थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1148/25 दर्ज कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

दूसरा मामला: 4,36,200 रुपए दूसरे मामले में पुलिस ने अमनदीप सिंह (19 वर्ष, निवासी जवाहर नगर सुपेला) को गिरफ्तार किया। आरोपी ने अपने खाते में 4,36,200 रुपए साइबर ठगी से अर्जित रकम के रूप में जमा किए थे। इस मामले में अपराध क्रमांक 1149/25 दर्ज किया गया।

तीसरा मामला : 98,000 रुपए तीसरे मामले में विवेक अवचट (24 वर्ष, निवासी चिंगरीपारा, नेहरू भवन सुपेला) को पकड़ा गया। उसके खाते में 98,000 रुपए की ठगी की रकम ट्रांसफर हुई थी। इस पर अपराध क्रमांक 1151/25 दर्ज कर कार्रवाई की गई। आरोपियों पर दर्ज धाराएं पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफबीएनएस की धारा 317(2), 318(4) के तहत अपराध दर्ज किया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पुलिस ने बताया कि साइबर अपराधों को रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल करने वाले लोगों को यह समझना चाहिए कि वे सीधे साइबर अपराधियों की मदद कर रहे हैं। ऐसे मामलों में बैंक खाता धारक भी अपराधी माने जाते हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे लालच में आकर अपना बैंक खाता दूसरों को न दें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

साइबर अपराध रोकने में तकनीक की भूमिका पुलिस ने बताया कि समन्वय पोर्टल के जरिए संदिग्ध बैंक खातों की जानकारी मिलती है। इसी पोर्टल की मदद से इन तीन मामलों का खुलासा हुआ। इस तरह की तकनीक साइबर अपराधियों तक पहुंचने और उनके नेटवर्क को तोड़ने में अहम भूमिका निभा रही है।

ट्रक चालक को बंधक बनाकर मारपीट करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक गंभीर मामले का पर्दाफाश किया है। आरोप है कि वाहन मालिक और उसके साथियों ने एक ट्रक चालक को जबरन कार में बैठाकर गोडाउन में बंद कर दिया और उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी रविंद्र यादव पिता स्व. दुलार यादव, उम्र 40 वर्ष, निवासी हाउसिंग बोर्ड मुर्गा चौक जामुल ने पुलिस को लिखित रिपोर्ट दी थी कि दिनांक 18 सितंबर 2025 को वह ट्रक क्रमांक CG 04 CH 8511 लेकर असनसोल, कोलकाता से चैनल लोड कर भिलाई लौट रहा था। इसी दौरान सिमगा पहुंचते ही ट्रक का डीजल खत्म हो गया। इस पर वाहन मालिक विक्रम सिंह को दूरभाष पर जानकारी दी गई। शिकायतकर्ता के अनुसार इसके बाद वाहन मालिक विक्रम सिंह अपने मुंशी इरफान अहमद और साथी मंदीप सिंह के साथ काले रंग की थार गाड़ी में सिमगा पहुंचा। वहां आरोपियों ने प्रार्थी

पर डीजल चोरी का आरोप लगाकर हाथ-मुक्कों से मारपीट की और जबरदस्ती कार में बैठाकर हथखोज स्थित गोडाउन में ले गए।

रिपोर्ट के अनुसार, आरोपियों ने गोडाउन के कमरे में प्रार्थी को बंद कर दिया और बेल्ट व मुक्कों से बुरी तरह पीटा। आरोपियों ने उसका मोबाइल, आधार कार्ड, पैन कार्ड, लाइसेंस और कपड़े भी छीन लिए। विक्रम सिंह ने प्रार्थी को धमकाते हुए अपने घर से जेवर और पैसा मंगवाने के लिए मजबूर किया। डर के माहौल में प्रार्थी ने पत्नी को फोन कर गाड़ी और स्कूटी मंगाने को कहा। जब उसका साला संतु स्कूटी लेकर गोडाउन पहुंचा तो आरोपियों ने स्कूटी छीन ली और उसके साथ भी मारपीट कर भगा दिया। प्रार्थी ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसे कोरे कागज पर जबरन अंगूठा लगवाया और धमकी दी कि यदि पुलिस को शिकायत की तो जान से मार देंगे। किसी तरह मौका पाकर वह रात में गोडाउन से भाग निकला और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर पुरानी भिलाई थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 371/2025 धारा 140(3), 309(3), 296, 115(2), 351(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। विवेचना के दौरान आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने 27 सितंबर 2025 को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

गिरफ्तार आरोपियों में हरप्रीत सिंह उर्फ विक्रम पिता कुलदीप सिंह, उम्र 41 वर्ष, निवासी बोरसी कदमप्लाजा, मधुबन नगर, भोला किराना दुकान थाना पदमनाभपुर, जिला दुर्ग। इरफान अहमद पिता स्व. अब्दुल सलीम अहमद, उम्र 47 वर्ष, निवासी एलआईजी 293, हुडको, थाना भिलाई नगर, जिला दुर्ग। मंदीप सिंह पिता भीखम सिंह, उम्र 31 वर्ष, निवासी शीतला पारा हथखोज, थाना पुरानी भिलाई, जिला दुर्ग शामिल है। पुलिस अधिकारियों की भूमिका इस कार्रवाई में थाना पुरानी भिलाई प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह भारद्वाज, सउनि बाबूलाल साहू और आरक्षक क्रमांक 648 बंटी सिंह की विशेष भूमिका रही। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल और स्कूटी भी बरामद किया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में कानून को हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। दुर्ग पुलिस अपराध और अपराधियों पर लगातार निगरानी रख रही है। त्वरित कार्रवाई कर पीड़ित को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है।

बालोद में कारपेंटर के घर वन विभाग का छापा, 2 लाख की महंगी लकड़ी जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। वन विभाग की टीम को बड़ी सफलता मिली है। अवैध तरीके से सागौन की लकड़ी से फर्नीचर बनाए जाने की सूचना पर वन विभाग की टीम ने छापा मारा। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में फर्नीचर और सागौन लकड़ी बरामद हुआ है। फिलहाल दल्लीराजहरा वन परीक्षेत्र की टीम मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम भैसबोड़ निवासी विकास देवांगन पिता देवनाथ देवांगन अवैध रूप से सागौन की लकड़ी रखकर आलीशान फर्नीचर और अन्य सामान का निर्माण कर रहा था। वह घोठिया गांव में अवैध तरीके से लकड़ी जमा कर फर्नीचर बना रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर दल्लीराजहरा वन विभाग और उड़न दस्ता टीम ने सर्च वारंट के आधार पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में सागौन की लकड़ियां और फर्नीचर जप्त किए गए।

कार्रवाई के दौरान वन विभाग ने बड़ी मात्रा में सामान जप्त किया। इसमें 36 नग सागौन चिरान, 8 नग सागौन लठ्ठा, 1 नग बीजा लठ्ठा, एक नग डायनिंग टेबल सेट, 1 नग सागौन चौखट, 2 नग सागौन सोफा, 1 नग सागौन दिवान और 2 नग सागौन दरवाजे शामिल हैं। कुल 2.1233 घन मीटर सागौन लकड़ी के साथ फर्नीचर निर्माण में उपयोग हो रही सभी मशीनें भी जब्त कर ली गईं। दल्लीराजहरा रेंजर सन्तोष ठाकुर ने बताया कि जप्त की गई लड़की और समान की कीमत लगभग 2 लाख के करीब की है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का रजत जयंती समारोह

संविधान का व्याख्याकार, नागरिक अधिकारों का संरक्षक और न्याय का सजग प्रहरी बनकर खड़ा है उच्च न्यायालयः राज्यपाल

इन्फ्रास्ट्रक्चर और संसाधनों की उपलब्धता के साथ समय पर न्याय उपलब्ध कराने राज्य सरकार कटिबद्धः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की स्थापना का रजत जयंती समारोह' का आयोजन महामहिम राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू को पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विधि मंत्री गजेन्द्र यादव, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस भी इस अवसर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में रजत जयंती समारोह पर केंद्रित स्मारिका का विमोचन भी किया।

मुख्य अतिथि राज्यपाल डेका ने कहा कि इस गौरवशाली अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की रजत जयंती समारोह में आप सभी को संबोधित करना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और गर्व का विषय है। 1 नवम्बर 2000 को जब छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना हुई, तब शासन के साथ-साथ न्याय के क्षेत्र में भी एक नई शुरुआत हुई। इस राज्य के जन्म के साथ ही इस महान संस्था छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर की स्थापना हुई। तभी से यह न्यायालय संविधान का व्याख्याकार, नागरिक अधिकारों का संरक्षक और न्याय का प्रहरी बनकर खड़ा है। राज्यपाल रमेन डेका ने लोक अदालत के अंतर्गत लंबित मामलों के हो रहे त्वरित निराकरण के लिए न्यायपालिका की सराहना की। उन्होंने न्यायपालिका में नैतिकता, सुदृढ़ीकरण और न्यायपालिका के लंबित मामलों को कम कर आम जनों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराने की बात कही।

उन्होंने कहा कि न्याय केवल सामर्थ्यवान लोगों के लिए ही उपलब्ध नहीं हो बल्कि गांव गरीब एवं आमजनों के लिए भी सर्व सुलभ न्याय उपलब्ध हो तभी इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका सार्थक बनेगी। राज्यपाल डेका ने कहा कि हम उन दूरदर्शी व्यक्तित्वों और संस्थापकों को कृतज्ञतापूर्वक नमन करते हैं, जिन्होंने इस न्यायालय की नींव रखी। प्रथम मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति डब्ल्यू.ए. शिशक और उनके उत्तराधिकारियों ने इस नवगठित न्यायालय को गरिमा, विश्वसनीयता और सशक्त न्यायिक परंपरा प्रदान की। इसी प्रकार अधिवक्ताओं, न्यायालय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निष्ठा और परिश्रम ने इस संस्था को पच्चीस वर्षों तक सुदृढ़ बनाए रखा।

इन वर्षों में न्यायालय ने संवैधानिक नैतिकता, नागरिक स्वतंत्रता, आदिवासी अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, सुशासन और सामाजिक न्याय जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय दिए। इसने छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचानदृउसके जंगल, खनिज, संस्कृति और वंचित समुदायों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया। विकास और अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए इसने यह सुनिश्चित किया कि प्रगति कभी भी न्याय की कीमत पर न हो।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश जे.के. माहेश्वरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और यह धान्य पूर्णता की ओर ली जाती है। जहां धर्म है वहां विजय है। हमार सच्चा कर्म और विचार ही धर्म है। चेतना ही सहज धर्म से जोड़ती है। अगले 25 साल में हम न्यायपालिका को कहां रखना चाहते है इस पर विचार और योजना बनाने का समय है। आम आदमी कोर्ट के दरवाजे पर एक विश्वास के साथ आता है उस मूल भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने न्याय व्यवस्था से जुड़े बेंच, बार और लॉयर को विजन के साथ आगे बढ़ने प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सभी समेकित विजन बनाएं ताकि न्यायपालिका अपने जनकल्याण के अंतिम उद्देश्य तक पहुंच सके। न्यायाधीश श्री माहेश्वरी ने कहा कि भारत के संविधान में रूल ऑफ लॉ की भावना पूरी हो इसके लिए सभी कार्य करें और अंतिम पायदान तक खड़े व्यक्ति तक न्याय पहुंचे इस सोच के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि आमजनों का विश्वास प्राप्त करना न्यायपालिका का सर्वोत्तम उद्देश्य है। हाईकोर्ट की स्थापना के साक्षी रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजत जयंती कार्यक्रम के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी और न्यायालय से जुड़े अपने संस्मरण साझा किया।

रजत जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि आज केवल न्यायपालिका के 25 वर्षों की यात्रा का उत्सव नहीं है बल्कि न्यायपालिका की उस सुदृढ़ परंपरा का सम्मान है जिसने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा में अपना निरंतर योगदान दिया है। पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने न्याय की पहुंच को आम जनता तक सरल बनाने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और तकनीकी को क्रांति की तरह अपनाने में अभूतपूर्व कार्य किए हैं।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने स्वागत भाषण दिया। न्यायालय की स्थापना के रजत जयंती अवसर पर सभी अतिथियों और उपस्थित जनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का रजत जयंती कार्यक्रम निश्चित रूप से हम सभी के लिए गौरवशाली क्षण है। पिछले 25 वर्षों में न्यायालय ने विधि के शासन को स्थापित करने बेहतर कार्य किया है। उन्होंने न्यायालय की स्थापना से लेकर अब तक उपलब्धि एवं कामकाज में आए सकरात्मक बदलाव से सभा को अवगत कराया।

समारोह के अंत में न्यायाधीश संजय के अग्रवाल ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव, विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विधि विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव, तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पी सैम कोसी, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यतीन्द्र सिंह, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, डीजीपी अरूणदेव गौतम, महाधिवक्ता प्रफुल्ल भारत, विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष चंदेल सहित अन्य न्यायाधीश, अधिवक्ता, जन प्रतिनिधिगण तथा न्यायिक सेवा से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बिलासपुर की नगरी को एक नई पहचान दी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का रजत जयंती समारोह समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि हमारा प्रदेश छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना की रजत जयंती मना रहा है। यह शुभ अवसर हमारे हाईकोर्ट की रजत जयंती का भी है। यह वर्ष हमारी विधानसभा का रजत जयंती वर्ष भी है। इन सभी शुभ अवसरों पर मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ।. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बिलासपुर की नगरी को एक नई पहचान दी है। इस शुभ अवसर पर हम भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री एवं हमारे राज्य के निर्माता श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिनकी दूरदर्शिता से छत्तीसगढ़ राज्य एवं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की स्थापना संभव हो सकी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर और संसाधनों की उपलब्धता के साथ ही हम किसी भी हालत में समय पर न्याय उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध हैं। इसी क्रम में हमने वर्ष 2023-24 की तुलना में विधि एवं विधायी विभाग के बजट में पिछले साल 25 प्रतिशत और इस वर्ष 29 प्रतिशत बढ़ोतरी की है। यह पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि इस पीठ के न्यायाधीश जस्टिस ए.एम. खानविलकर, जस्टिस नवीन सिन्हा, जस्टिस अशोक भूषण, जस्टिस भूपेश गुप्ता और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा जैसे न्यायाधीश देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुँचे। न्यायिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वर्चुअल कोर्ट और लाइव स्ट्रीमिंग जैसे डिजिटल नवाचारों को बढ़ावा दिया है। साथ ही डिजिटल रिकॉर्ड रूम, आधार आधारित सर्च और न्यायिक प्रशिक्षण के नए माड्यूल भी अपनाये जा रहे हैं। अपने 25 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने ऐसे उल्लेखनीय फैसले दिये हैं जो देश भर में नजीर के रूप में प्रस्तुत किये जाते हैं। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की स्थापना के बाद छत्तीसगढ़ के युवाओं में लॉ प्रोफेशन की ओर भी रुझान बढ़ा है। इससे उन्हें करियर के नये अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री नेा कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंग्रेजों के समय की दंड संहिता को समाप्त कर भारतीय न्याय संहिता को लागू किया। अंग्रेजों के समय भारतीय दंड संहिता का जोर दंड पर था। भारतीय न्याय संहिता का जोर न्याय पर है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रयास है कि लोगों को आधुनिक समय के अनुरूप आये नये तकनीकी बदलावों को भी शामिल किया गया है। इसमें फॉरेंसिक साइंस से जुड़ी पहलुओं का काफी महत्व है। लोगों को त्वरित और सुगम न्याय मिल सके, इसके लिए न्यायपालिका को मजबूत करने समय-समय पर जो अनुशंसाएँ की गई, उनका बीते एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रभावी क्रियान्वयन हुआ है।

स्वस्थ श्रमिक ही सशक्त समाज का आधार- मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष एवं स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के अवसर पर सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के कृषि उपज मंडी प्रांगण में श्रम विभाग, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, ई.एस.आई.सी तथा ईएसआईएस के संयुक्त प्रयासों से श्रमिक स्वास्थ्य जांच एवं श्रम कार्ड पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा रहे।

मंत्री श्री वर्मा ने श्रमिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ श्रमिक ही सशक्त समाज का आधार हैं। शिविर में लगभग 800 श्रमिकों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण सहित रक्तचाप, मधुमेह, हिमोग्लोबिन और नेत्र संबंधी जांच की गई। श्रमिकों और आमजन के लिए नि:शुल्क भोजन का भी प्रबंध किया गया था।

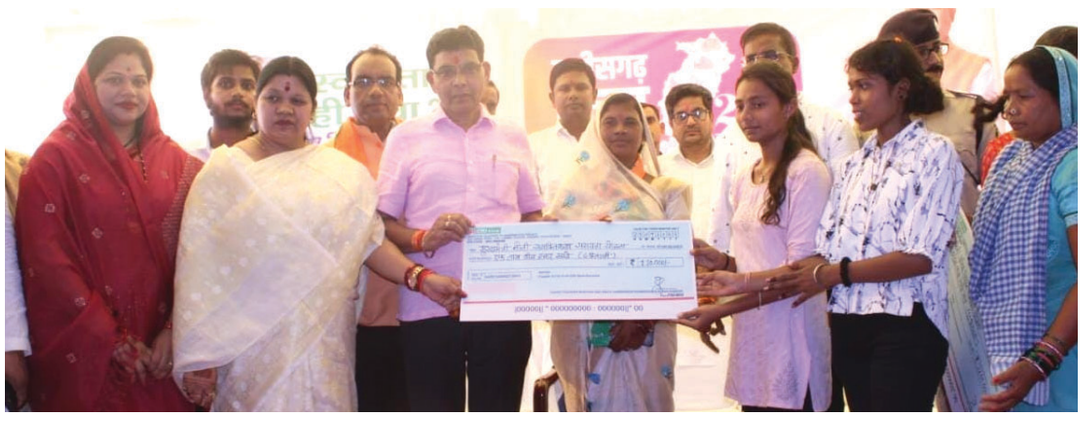

कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे, पुलिस अधीक्षक आञ्जनेय वार्ष्णेय, सांसद कविता प्राण लहरे, विधायक संजय भूषण पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसमें महतारी जतन योजना के अंतर्गत 46 श्रमिकों को 9 लाख20 हज़ार रुपए,निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से 10 श्रमिकों को 10 लाख रुपए,मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना से 6 हितग्राही को 1 लाख 20 हज़ार रुपए,मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना से 12 श्रमिकों को 64,500 रुपए और मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना से 11 श्रमिकों को 2 लाख 20 हज़ार का लाभ दिया गया। इसके अतिरिक्त कई श्रमिकों को व्यक्तिगत रूप से भी आर्थिक सहायता मिली, जिनमें पीताम्बर बाई बरेठ, फुलबासन पटेल, जानकी पटेल, जोईधा साहू, तेरस बाई साहू सहित अन्य श्रमिक शामिल रहे। यह आयोजन श्रमिकों के स्वास्थ्य संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

व्यापारियों और उपभोक्ताओं के बीच पहुँचे पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने जीएसटी बचत उत्सव के अंतर्गत बिश्रामपुर स्थित सतीश जनरल स्टोर और सूरजपुर के अशोक रेडियो सेंटर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उपभोक्ताओं और व्यापारियों से बातचीत कर जीएसटी दरों में आई राहत के लाभ को साझा किए। श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू हुए जीएसटी सुधारों ने देश की कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया है। यह सुधार केवल आर्थिक दृष्टि से अहम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन की दिशा में भी एक बड़ा और सकारात्मक कदम है।

नई दरों को उपभोक्ताओं ने स्वागत योग्य बताते हुए कहा कि इससे उनके घरेलू बजट को सीधी राहत मिली है। सस्ती दरों पर उपलब्ध वस्तुओं से परिवारों की आर्थिक बचत बढ़ी है। व्यापारियों ने कहा कि जीएसटी राहत से बाजार में उत्साह देखने को मिल रहा है।

किफायती दरों पर उत्पाद मिलने से ग्राहकों की संख्या और बिक्री दोनों तेजी से बढ़ेंगी। दुकानदारों और उपभोक्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस ऐतिहासिक एवं जनहितैषी निर्णय के लिए धन्यवाद दिया।

विद्या भारती संस्था का भारत की संस्कृति और परंपरा को आगे बढ़ाने में विशिष्ट योगदानः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने सरस्वती महाविद्यालय भवन का किया लोकार्पणः सरस्वती स्कूलों के 24 प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि विद्या भारती संस्था भारत की संस्कृति और परंपरा को आगे बढ़ाने में विशिष्ट योगदान दे रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे राष्ट्र गौरव निर्माण में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। मुख्यमंत्री साय बिलासपुर के कोनी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में नव-निर्मित सरस्वती महाविद्यालय भवन का लोकार्पण करने पहुँचे। इस अवसर पर विद्या भारती द्वारा आयोजित भव्य सम्मान समारोह में प्रदेश के 33 जिलों के सरस्वती स्कूलों से चयनित 24 मेधावी छात्र-छात्राओं को तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों एवं महोत्सवों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा तथा स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव उपस्थित रहे। इस अवसर पर बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक और तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह भी विशेष रूप से शामिल हुए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित सभी अतिथियों ने सरस्वती स्कूल परिसर, कोनी में नव-निर्मित महाविद्यालय भवन का विधिवत पूजा-अर्चना कर लोकार्पण किया। तत्पश्चात सरस्वती स्कूल परिसर स्थित लखीराम सभा भवन में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मेधावी छात्र-छात्राएँ अपनी मेहनत, अनुशासन और संस्कारों से प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं। विद्यालय का यह नया भवन शिक्षा और ज्ञान के विस्तार का प्रतीक है, जो समाज को नई दिशा देगा।

उन्होंने कहा कि सरस्वती महाविद्यालय के द्वारा गुरु घासीदास विश्वविद्यालय तथा इसरो, बेंगलुरु के साथ एमओयू किए हैं, जिससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्र में अधिक अवसर मिलेंगे। साथ ही पं. सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय का स्टडी सेंटर भी यहाँ प्रारंभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्थानीय भाषा में शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, हाइटेक लाइब्रेरी, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी सुविधाएँ विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे दृढ़ संकल्प और परिश्रम के साथ समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें। विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि विद्या भारती शिक्षा के साथ संस्कार देने का कार्य कर रही है। उन्होंने संस्था द्वारा ज्ञान परंपरा और भारतीय संस्कृति को सहेजने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

विद्या भारती के प्रांतीय संगठन मंत्री देव नारायण ने संस्था के सिद्धांतों, विचारधारा और कार्य-प्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरस्वती संस्थान द्वारा अब तक छत्तीसगढ़ में तीन महाविद्यालयों की स्थापना की गई है और सात प्रकल्प संचालित हैं। ग्राम भारती के अंतर्गत 1,100 से अधिक विद्यालय कार्यरत हैं। इन संस्थानों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे योग्य और राष्ट्र के प्रति समर्पित विद्यार्थियों का निर्माण हो रहा है।

इस अवसर पर नगर निगम महापौर पूजा विधानी, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष राम भरोसा सोनी, सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति के अध्यक्ष रतन चंद्राकर, सरस्वती शिशु मंदिर कोनी के अध्यक्ष मुनेश्वर कौशिक, सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति के सचिव संतोष तिवारी, बृजेंद्र शुक्ला, पुरनंदन कश्यप, रामपाल, सुजीत मित्रा, सुदामा राम साहू, प्रांत प्रमुख दिव्या चंदेल, संचालकगण, प्राचार्य/आचार्यगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950